आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!

वर्ष-11। अंक 178। मूल्य - 2 रुपए । पृष्ठ-08 । नगर संस्करण

इंदौर, व भोपाल, रायपुर व बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

दैनिक आदित्य भारत

सदैव सत्य के साथ...

इंदौर, बुधवार, 02 जुलाई, 2025

प्रत्येक विधानसभा में एक गाँव का होगा चयन, क्षतिग्रस्त पुलों के पुनर्निर्माण योजना के क्रियान्वयन के लिए 4 हजार 572 करोड़ रूपये

आत्मनिर्भर बनाने मुख्यमंत्री वृन्दावन ग्राम योजना का अनुमोदन

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश के ग्रामों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मुख्यमंत्री वृन्दावन ग्राम योजना का अनुमोदन किया गया। इस योजना के अंतर्गत प्रत्येक विधानसभा के एक ऐसे ग्राम का चयन किया जाएगा जिसकी वर्तमान जनसंख्या न्यूनतम 2000 हो एवं गौ-वंश की न्यूनतम संख्या 500 हो। ऐसे ग्रामों को मुख्यमंत्री वृन्दावन ग्राम के रूप में विकसित कर आत्मनिर्भर बनाया जाएगा। ये ग्राम आत्मनिर्भर होकर प्रदेश के अन्य ग्रामों के समक्ष विकास का आदर्श प्रस्तुत करेंगे। इस योजना के अंतर्गत गौ-पालन एवं डेयरी विकास, पर्यावरण संरक्षण, जैविक कृषि, जल संरक्षण, सौर ऊर्जा, चारागाह विकास, अधोसंरचना विकास, स्वरोजगार सहित ग्रामीण विकास के विषयगत दृष्टिकोणों से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों का क्रियान्वयन किये जाने का निर्णय लिया गया।

राज्य शासन की अवधारणा है कि प्रदेश में कुछ ग्राम इस प्रकार विकसित किये जायें ताकि वे आत्मनिर्भर होकर प्रदेश के समस्त ग्रामों के लिए उदाहरण बनें तथा अन्य ग्राम इन चयनित ग्रामों से प्रेरित होकर स्वयं भी आत्मनिर्भरता और चहुँमुखी विकास की ओर अग्रसर हों। इन चयनित ग्रामों में विभिन्न विभागों के अन्य विकास कार्यों के साथ मुख्य रूप से गौवंशीय एवं अन्य दुधारू पशुओं के पालन, दुग्ध-उत्पादन एवं डेयरी विकास पर ध्यान केन्द्रित किया जायेगा। जहां स्वच्छता एवं हरियाली के साथ-साथ गौसेवा और आध्यात्मिकता से समन्वित आर्थिक

आत्मनिर्भरता प्रत्यक्षतः दृष्टिगोचर हो और ग्राम 'वृन्दावन' के रूप में साकार हो सके।

मुख्यमंत्री वृन्दावन ग्राम योजना के उद्देश्यों में गौपालन एवं डेयरी विकास को बढ़ावा देना। ग्राम को दुग्ध उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने के साथ सहकारिता के माध्यम से दुग्ध व्यवसाय का प्रसार करना, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधार हो सके। पर्यावरण संरक्षण, जैविक कृषि, जल संरक्षण तथा सौर ऊर्जा संबंधी गतिविधियों को जनभागीदारी से क्रियान्वित करना, चारागाह विकास, ग्राम में अधोसंरचना विकास, ग्रामीण परिवारों का रोजगार/स्वरोजगार आधारित आर्थिक सुदृढ़ीकरण और ग्रामीण विकास के विषयगत दृष्टिकोणों को अपनाते हुए सतत् विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करना है।

चयनित वृन्दावन ग्राम में विभिन्न विभागों के माध्यम से जो सुविधाएं उपलब्ध करायी जाना है, वे 6 श्रेणियों में होगी। चयनित वृन्दावन ग्राम में अधोसरंचना के लिए गौशाला, ग्राम पंचायत भवन, सामुदायिक भवन, आँगनबाड़ी भवन, स्वास्थ्य केन्द्र, स्कूल भवन, यात्री प्रतीक्षालय, सोलर स्ट्रीट लाइट, पुस्तकालय, सर्वसुविधायुक्त आजिविका भवन/ग्रामीण आजीविका के लिए वर्कशेड, पशु चिकित्सालय, ग्राम तक कनेक्टिविटी, ग्राम के अंतर्गत आंतरिक सड़कें/नाली, सार्वजनिक वितरण प्रणाली की दुकान एवं गोडाउन, हर घर जल (सोलर उर्जा आधारित पम्प के माध्यम से), ग्रामीण उद्योग आधारित आर्ट एण्ड क्राफ्ट सेंटर, बायोगैस सयंत्र, शांतिधाम निर्माण, गौ-समाधि स्थल, सेग्रीगेशन शेड, जल निकासी के लिए नाली, कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र, ग्राम में विद्युत प्रवाह के लिए सौर उर्जा एवं गैर परम्परागत उर्जा क्षेत्र में विकास, पात्र परिवारों के लिये जलवायु अनुकूल आवास तथा (व्यक्तिगत शौचालय), सार्वजनिक उद्यान (पार्क), सार्वजनिक शौचालय, सिंचाई स्रोत विकास एवं ड्रिप एरीगेशन की सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी। आजीविका संबंधी गतिविधियों में नंदन फलोद्यान, पोषण वाटिका, दुग्ध कलेक्शन सेंटर, लघु वनोपज आधारित लघु उद्योग, कृषि/फल उपज आधारित उद्योग, ग्राम में उपलब्ध कौशल आधारित सेवाओं के विकास की सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी। वाटर कनजर्वेशन संबंधी जल संचयन संरचनाएं, रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग, नलकूप रिचार्ज, डगवेल रिचार्ज, स्टॉप डेम/चेकडेम, तालाबों का संरक्षण इसी प्रकार पंचायत सशक्तिकरण संबंधी में स्वयं की आय के स्रोत का विकास तथा ई-पंचायत / CSCकी सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी। विशेष लक्ष्य में प्राकृतिक कृषि, धार्मिक स्थलों / भूमियों का संरक्षण, घर से कचरा उठाने स्वच्छता वाहन, ग्रे वाटर मैनेजमेंट, मल-कीचड प्रबंधन, राजस्व अभिलेखों को अद्यतन करना, शत प्रतिशत समग्र ईकेवाइसी, ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए होम-स्टे, ग्राम के आर्ट एवं क्राफ्ट को बढ़ावा देने के लिए हस्तशिल्प कला केन्द्र, ग्राम की शालाओं/आंगनबाडियों में अध्यनरत बच्चों के लिये पौष्टिक भोजन, अतिक्रमण मुक्त ग्राम तथा ग्राम की स्थानिक योजना की सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी।

क्षतिग्रस्त पुलों के पुनर्निर्माण योजना के क्रियान्वयन की सैद्धांतिक स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा राज्य मद अंतर्गत क्षतिग्रस्त पुलों के पुनर्निर्माण की योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 से 2029-30 तक 1766 पुलों के पुनर्निर्माण के लिए 4 हजार 572 करोड़ रुपये की सैद्धांतिक स्वीकृति दी गयी। स्वीकृति अनुसार क्षतिग्रस्त पुलों का पुनर्निर्माण किया जाकर बारहमासी संपर्क सुविधा प्रदान की जायेगी। योजना के क्रियान्वयन एवं मॉनीटिरिंग के लिए मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण की साधिकार समिति को समुचित निर्णय लिये जाने के लिए अधिकृत किये जाने की स्वीकृति दी गयी।

राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय, की स्थापना भोपाल में किए जाने की सैद्धांतिक स्वीकृति: मंत्रि-परिषद द्वारा राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय, गाँधीनगर के परिसर की स्थापना भोपाल में किए जाने के लिए सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृति अनुसार भोपाल में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (आरआरयू) की स्थापना के लिए तीन वर्षों के लिए प्रति वर्ष एक करोड़ 5 लाख रुपये की राशि प्रदान की जायेगी। भोपाल में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के स्थायी परिसर के लिए राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी), भोपाल परिसर में उपलब्ध भूमि में से 10 एकड़ भूमि को विभाग स्तर से हस्तांतरित किया जायेगा। भोपाल में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के स्थाई भवन का निर्माण पूर्ण होने तक राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में उपलब्ध भवन को अस्थायी रुप से राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के संचालन के लिए उपलब्ध कराये जाने का अनुमोदन किया गया। इसके स्थापित होने से राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में रोजगार एवं कौशल, विशिष्ट उच्च शिक्षा के केंद्र के रुप में मध्यप्रदेश की प्रतिष्ठा में वृद्धि, राज्य और राष्ट्रीय स्तर की संस्थाओं के मध्य सहयोग में वृद्धि होगी।

विभागीय छात्रावासों में निवासरत विद्यार्थियों के लिए मेस संचालन की सैद्धांतिक स्वीकृति: मंत्रि-परिषद द्वारा पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के विभागीय छात्रावासों में निवासरत विद्यार्थियों के लिए मेस संचालन की सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की गई है। विभाग के छात्रावास की संख्या 108, विद्यार्थियों की संख्या 9050 है। इसके लिए 14 करोड़ अनावर्ती तथा 17 करोड़ आवर्ती व्यय कुल 31 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई।

नवीन कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कुल 1266 नवीन पदों की स्वीकृति: मंत्रि-परिषद द्वारा नवीन कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मध्यप्रदेश न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशालाओं में 202 वैज्ञानिक अधिकारी को सम्मिलित कर कुल 1266 पदों की स्वीकृति दी गयी। स्वीकृति अनुसार भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 176(3) के क्रियान्वयन के लिए 7 वर्ष या उससे अधिक सजा वाले समस्त अपराधों में फॉरेंसिक विशेषज्ञ के अनिवार्य तथा आवश्यक भ्रमण के लिए 1266 नवीन पदों के सृजन की स्वीकृति प्रदान की गई। नए कानून को लागू करने वाला मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है।

नव गठित जिलों में संयोजक जनजातीय तथा अनुसूचित जाति जिला कार्यालयों की स्थापना की स्वीकृति: मंत्रि-परिषद द्वारा जनजातीय कार्य विभाग के अंतर्गत तीन नव गठित जिलों में जिला संयोजक जनजातीय तथा अनुसूचित जाति जिला कार्यालयों की स्थापना की स्वीकृति दी गई। इसमें मऊगंज के लिए 16 पद, मैहर के लिए 18 पद तथा पांढुर्णा के लिए 14 पद कुल 48 नवीन पदों का सृजन और 381.30 लाख रुपये वार्षिक अतिरिक्त वितीय व्यय की स्वीकृति प्रदान की गई है।

रोजगार मूलक प्रोत्साहन (ईएलआई) योजना को कैबिनेट की मंजूरी

देश में मिलेंगी दो साल में 3.5 करोड़ से अधिक नौकरियां

एजेंसी ● नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एम्प्लाईमेंट लिंक्ड इनसेंटिव (ELI) योजना को मंजूरी दे दी है। इस योजना के तहत सभी क्षेत्रों में रोजगार पैदा करने, रोजगार क्षमता बढ़ाने और सामाजिक सुरक्षा बढ़ाने की तैयारी है। सरकार का प्लान इस योजना के तहत 2 साल में 3.5 करोड़ से ज्यादा लोगों को नौकरी देना है। वहीं पहली बार काम करने वालों पर सरकार 2 किस्तों में एक महीने के वेतन के बराबर सब्सिडी 15000 रुपये तक देगी। इस योजना का उद्देश्य विनिर्माण क्षेत्र पर फोकस करते हुए पहली बार काम करने वालों के लिए प्रोत्साहन देना है। साथ ही देश में बेरोजगारी को कम करना है। यह योजना 1 अगस्त 2025 से 31 जुलाई 2027 तक बनने वाली नौकरियों पर लागू होगी

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस स्कीम को लेकर विस्तार से जानकारी साझा करते हुए बताया कि एक लाख करोड़ रुपये के खर्च के साथ दो वर्षों में 3.5 करोड़ से अधिक नौकरियों के रोजगार सृजन का समर्थन करने के लिए इस योजना को बनाया गया है। यह स्कीम सभी से चर्चा करने के बाद तैयार की गई है। इस स्कीम का ऐलान बजट के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा किया गया था।

दो किस्त में दी जाएगी सब्सिडी

भाग A: पहली बार नौकरी करने वालों के लिए इन्सेंटिव

पहली बार नौकरी करने वाले कर्मचारियों को, जो EPFO में रजिस्टर्ड हैं, एक महीने की सैलरी (अधिकतम 15,000 रुपये) दो किस्त में दी जाएगी। पहली किस्त 6 महीने की सेवा के बाद के मिलेगी। वहीं, दूसरी किस्त 12 महीने की सेवा और एक ऑनलाइन फाइनेंशियल लिटरेसी कोर्स पूरा करने के बाद में मिलेगी। एक लाख रुपये तक की मासिक सैलरी वाले कर्मचारी, जो पहली बार औपचारिक क्षेत्र में नौकरी शुरू कर रहे हैं। कर्मचारियों का आधार उनके बैंक खाते के साथ लिंक होना जरुरी है। इंसेंटिव का हिस्सा एक बचत खाते में जमा होगा, जिसे कर्मचारी बाद में निकाल सकता है। इस हिस्से से 1.92 करोड़ नए कर्मचारियों को फायदा होगा।

भाग B: नियोक्ताओं के लिए समर्थन

नियोक्ताओं को 1 लाख रुपये तक की सैलरी वाले अतिरिक्त कर्मचारियों को काम पर रखने के लिए 2 साल तक प्रति माह 3,000 रुपये तक का इंसेंटिव मिलेगा। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में यह इंसेंटिव तीसरे और चौथे साल तक बढ़ाया जाएगा। ईपीएफओ में रजिस्टर्ड प्रतिष्ठानों को कम से कम 2 (50 से कम कर्मचारियों वाले) या 5 (50 या अधिक कर्मचारियों वाले) अतिरिक्त कर्मचारी 6 महीने तक रखने होंगे। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में नियोक्ताओं को पिछले 3 साल का ईपीएफओ योगदान का रिकॉर्ड दिखाना होगा।

प्रोत्साहन राशि के भुगतान हेतु प्रणाली

योजना के भाग ए के अंतर्गत पहली बार काम करने वाले कर्मचारियों को सभी भुगतान आधार ब्रिज भुगतान प्रणाली (एबीपीएस) का उपयोग करके डीबीटी (प्रत्यक्ष लाभ अंतरण) मोड के माध्यम से किए जाएंगे। भाग बी के अंतर्गत नियोक्ताओं को भुगतान सीधे उनके पैन-लिंक्ड खातों में किया जाएगा। ईएलआई योजना के साथ, सरकार का इरादा सभी क्षेत्रों, विशेष रुप से विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के अलावा पहली बार कार्यबल में शामिल होने वाले युवाओं को प्रोत्साहित करना है। इस योजना का एक महत्वपूर्ण परिणाम करोड़ों युवा पुरुषों और महिलाओं के लिए सामाजिक सुरक्षा कवरेज का विस्तार करके देश के कार्यबल का औपचारिकीकरण भी होगा।

मुख्यमंत्री की उपस्थिति में विजन@2047 के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए हुआ एम.ओ.यू.

योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग और आर्ट ऑफ लिविंग संस्था के व्यक्तित्व विकास केन्द्र ने किया एम.ओ.यू का आदान-प्रदान

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में प्रदेश के योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग और आर्ट ऑफ़ लिविंग संस्था के व्यक्तित्व विकास केंद्र के बीच मंत्रालय में एमओयू का आदान-प्रदान हुआ। इस साझेदारी के अंतर्गत दोनों संस्थान जल संरक्षण, सतत् कृषि और ग्रामीण आजीविका सृजन, ग्राम विकास, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण, गौधन संवर्धन, नशामुक्ति, स्वास्थ्य, सामाजिक कल्याण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग करेंगे। यह समझौता सतत् विकास लक्ष्यों की दिशा में राज्य सरकार की पहलों को सशक्त्करने, पीपीपी मॉडल (सार्वजनिक निजी भागीदारी) को बढ़ावा देने, नीतिगत निर्णयों में सहयोग, योजनाओं के प्रभावी मूल्यांकन और व्यापक सर्वेक्षण के माध्यम से प्रदेश की दीर्घकालिक विकास योजना विजन@2047 के लक्ष्यों को पूर्ण करने में सहायक होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में हुए समझौता पत्र के आदान-प्रदान के अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी श्री संजय शुक्ला, म.प्र. राज्य नीति आयोग के श्री ऋषि गर्ग, आर्ट ऑफ लिविंग संस्था के श्री रोहन जैन, श्री अजित भास्कर तथा अन्य प्रतिनिधि उपस्थित थे। पद्म विभूषण श्री श्री रविशंकर जी द्वारा स्थापित आर्ट ऑफ लिविंग संस्था समग्र विकास सहित क्षमता विकास के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण कार्य कर रही है।

आर्ट ऑफ लिविंग के विभिन्न कार्यक्रम में पुलिसकर्मियों, वैज्ञानिकों, सशस्त्र बलों, पंचायती राज प्रतिनिधियों, युवाओं, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों हेतु विशेष रूप से बनाए गए हैं। संस्था जल संरक्षण, प्राकृतिक खेती, कौशल विकास, ग्रामीण विकास, वनीकरण, नशामुक्ति, जेल सुधार, सीमावर्ती गाँव विकास जैसे क्षेत्रों में भी कार्य कर रही है। साथ ही आर्ट ऑफ लिविंग की विभिन्न राज्य सरकारों, केंद्र सरकार के मंत्रालयों एवं विभागों के साथ सक्रिय भागीदारी है। भारत सरकार (DoPT) 'कर्मयोगी भारत' के साथ संस्था का समझौता सरकारी अधिकारियों के लिए क्षमता विकास कार्यक्रमों के क्रियान्वयन हेतु भी प्रभावी है।

भारत को अपने लोगों की रक्षा का हक : जयशंकर

एजेंसी ● न्यूयॉर्क

विदेश मंत्री एस. जयशंकर क्वाड विदेश मंत्रियों की मीटिंग में हिस्सा लेने न्यूयॉर्क पहुंचे हैं। क्वाड विदेश मंत्रियों की मीटिंग में जयशंकर ने कहा, आतंकवाद को लेकर भारत का सख्त रुख साफ है। दुनिया को आतंकवाद के मामले में बिल्कुल बर्दाश्त न करने वाला रवैया दिखाना होगा। जो लोग आतंकवाद का शिकार होते हैं और जो इसे फैलाते हैं, उन्हें एक जैसा नहीं देखा जा सकता। भारत को अपने लोगों की सुरक्षा का पूरा अधिकार है, और हम यह अधिकार जरूर इस्तेमाल करेंगे। हमें उम्मीद है कि हमारे क्वाड साझेदार इस बात को समझेंगे और समर्थन करेंगे।

जयशंकर ने कहा, दुनिया को आतंक खत्म करने पर बात करनी होगी। भारत को आतंकवाद पर कार्रवाई का अधिकार है। अब हम झांसे में नहीं आने वाले। अगर पाकिस्तान हमारे यहां आकर कुछ करेगा, तो हम भी वहां जाकर उन्हीं लोगों को निशाना बनाएंगे। न तो परमाणु धमकी से डरना, न आतंकवादियों को बख्शना और न ही यह कहना कि वे सिर्फ किसी के एजेंट हैं- अब हम ऐसा नहीं मानते। जयशंकर ने कहा, अगली क्वाड शिखर बैठक भारत में होगी।

30 हजार एकड़ भूमि पर होंगे उद्यान विकसित - उद्यान विकास का मिलेगा प्रशिक्षण

'एक बगिया मां के नाम' आजीविका का नया माध्यम : सीएम डॉ. यादव

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में 'एक बगिया मां के नाम' से नई योजना आरंभ की जा रही है। इसमें प्रदेश स्तर पर स्व-सहायता समूह की 30 हजार महिलाओं की 30 हजार एकड़ भूमि पर लगभग 900 करोड़ की लागत से आजीविका संवर्धन के लिए 30 लाख उद्यानिकी पौधों का रोपण कर फल उद्यान विकसित किए जाएंगे। इस योजना में हितग्राहियों को पौधे, खाद, गड्ढे खोदने के साथ ही पौधों की सुरक्षा के लिए तार फेंसिंग और सिंचाई के लिए जल कुंड बनाने के लिए भी धनराशि प्रदान की जाएगी। उद्यान विकास के लिए महिला हितग्राहियों को प्रशिक्षित भी किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले अपने संबोधन में प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान के सफल आयोजन के लिए बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को मंत्रि-परिषद की

बैठक के पहले मंत्रीगण को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की लगभग 100 नदियों के उद्गम स्थलों पर 10-10 एकड़ भूमि पर 42 करोड़ रुपए की लागत से पौधों का रोपण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 1 जुलाई से 15 सितंबर तक 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान आयोजित होगा, जिसे पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय विकास, वन, उद्यानिकी सहित सभी विभाग जनसहभागिता से संचालित करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी जिलों में जिला विकास सलाहकार समिति का गठन किया जाना है।

समिति में सांसद, विधायक, पंचायत तथा नगरीय निकायों के प्रतिनिधियों के साथ ही चिकित्सा, विधि, इंजीनियरिंग, समाज सेवा, कृषि, उद्यानिकी डेयरी आदि क्षेत्रों के विशेषज्ञ और प्रख्यातजन शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत खेत का पानी खेत में संचित करने के उद्देश्य से प्रदेश में 85 हजार से अधिक खेत तालाबों का निर्माण किया गया। भूजल संवर्धन के लिए 1 लाख से अधिक कुओं का पुनर्भरण किया गया। पानी की अमृत बूंद को सहेजने के लिए अमृत सरोवर 2.0 के तहत 1000 से अधिक नए अमृत सरोवरों का निर्माण प्रारंभ हुआ।

शहरी क्षेत्र में समाज की सहभागिता से 3300 से अधिक जल स्रोतों का पुनर्जीवन, 2200 नालों की सफाई और 4000 वर्षा जल संचयन संरचनाएं बनाई गई। इसके साथ ही 40 लाख से अधिक नागरिकों ने 5000 से अधिक ऐतिहासिक/धार्मिक जल स्रोतों (बावड़ी, मंदिर तालाबों आदि) की सफाई और जीर्णोद्धार में भाग लिया। अभियान के अंतर्गत 2 लाख 30 हजार जलदूतों का रजिस्ट्रेशन हुआ।

लोग निकलते क्यों हैं : एनएचएआई, पुलिस कमिश्नर, कलेक्टर, टोल कंपनी और निर्माण एजेंसी को नोटिस

इंदौर-देवास बाईपास के लंबे जाम पर NHAI ने कोर्ट में दिया बेतुका बयान

संवाददाता ● इंदौर

मध्य प्रदेश के इंदौर-देवास बाईपास रोड का हाल इन दिनों बेहाल है। भयंकर जाम के चलते तीन लोगों की जान भी चली गई है। इसको लेकर हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई थीं, जिनकी सुनवाई के दौरान एनएचएआई के वकील ने बेतुका बयान दे डाला। वकील ने कहा- लोग निकलते क्यों हैं इतनी जल्दी, जाम तो लगेगा ही।

आदेश

एनएचएआई के वकील ने कहा – यह याचिका देवास के एडवोकेट आनंद अधिकारी द्वारा दायर की गई है। इस मामले की कोर्ट में सुनवाई जस्टिस विवेक रूसिया और जस्टिस विनोद कुमार द्विवेदी की बेंच द्वारा की गई। सुनवाई के दौरान एनएचएआई के वकील ने कहा- बगैर काम के लोग निकलते हैं, उन्हें जल्दी रहती है, जाम तो लगेगा ही।

हाईकोर्ट ने क्या आदेश दिया – इस मामले में हाईकोर्ट ने आदेश दिया है कि इस मामले की सुनवाई अगले सप्ताह होगी। तब तक के लिए भारी वाहनों को डायवर्ट करने की व्यवस्था की गई है, उसे जारी रखा जाएगा। इसके अलावा सड़क बनाने वाले ठेकेदारों और कॉन्ट्रैक्टर को नोटिस जारी करने को कहा गया है, ताकि समय रहते उनका जवाब मिल सके। हाईकोर्ट ने एनएचएआई, पुलिस कमिश्नर और कलेक्टर को नोटिस जारी करके एक सप्ताह के अंदर जवाब मांगा गया है। इस मामले में टोल कंपनी और सड़क बनाने वाली कंपनियों को भी पक्षकार बनाए जाने का आदेश दिया गया है।

बीते दिनों हुई थीं 3 मौतें

मध्य प्रदेश के इंदौर-देवास हाईवे पर गुरुवार से शुक्रवार के बीच करीब आठ किलोमीटर तक जाम लगने से 30 घंटे में कम से कम तीन लोगों की मौत होने की खबर सामने आई है। बढ़ती मौतों के बाद शनिवार को इंदौर प्रशासन हरकत में आया। गुरुवार शाम से शुरू हुआ जाम शुक्रवार देर रात तक जारी रहा। इस दौरान 4000 से ज्यादा वाहन फंस गए। इससे अफरातफरी मच गई और सड़क व यातायात प्रबंधन पर गंभीर सवाल खड़े हो गए।

40 घंटे तक रहा 8 किमी लंबा जाम

शुक्रवार को इंदौर-देवास रोड पर लगभग 8 किलोमीटर लंबा जाम लगा रहा, जो करीब 40 घंटे तक चला। इसमें इंदौर निवासी किसान कमल पांचाल (62), शुजालपुर के बलराम पटेल (55) और गारी पिपल्या के संदीप पटेल (32) की जान चली गई। कमल पांचाल की कार डेढ़ घंटे तक जाम में फंसी रही, जिसके दौरान उन्हें घबराहट और बेचैनी हुई। उन्हें देवास के निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। दो अन्य की मौत हार्ट अटैक और अस्पताल न पहुंच पाने के कारण हुई।

कलेक्टर ने NHAI पर डाली जिम्मेदारी

शनिवार को कलेक्टर आशीष सिंह ने मौके का निरीक्षण कर कहा कि बायपास पर एनएचएआई द्वारा बनाई गई सर्विस रोड कमजोर है, जिससे गड्ढे बन गए हैं और ट्रैफिक जाम की स्थिति बन रही है। उन्होंने बताया कि इंदौर-उज्जैन रोड निर्माण और मांगलिया फ्लाईओवर के चलते ट्रैफिक दबाव बढ़ा है।

NHAI ने कहा मौतों की रिपोर्ट भ्रामक : रविवार को एनएचएआई के परियोजना निदेशक सोमेश बांझल ने बयान जारी कर कहा कि तीन मौतों की खबर भ्रामक है। उन्होंने कहा कि एक मौत शाजापुर से इंदौर आते समय और दूसरी लसूडिया क्षेत्र में हुई, जिनका अर्जुन बड़ोद क्षेत्र के जाम से कोई संबंध नहीं है। हालांकि, एनएचएआई ने बताया कि डायवर्शन मार्ग की मरम्मत पूरी कर ली गई है और अब यातायात सामान्य हो गया है।

शॉट न्यूज

नीट यूजी पर हाई कोर्ट का बड़ा फैसला

इंदौर। मप्र हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने एमबीबीएस, बीडीएस सहित अन्य मेडिकल कोर्स में प्रवेश के लिए आयोजित होने वाली नीट-यूजी को लेकर बड़ा फैसला दिया है। कोर्ट ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) से कहा है कि वह परीक्षा के दौरान हुई अव्यवस्था को लेकर याचिका दायर करने वाले अभ्यर्थियों की दोबारा परीक्षा आयोजित करे। 19 पेज के फैसले में कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि सिर्फ उन्हीं याचिकाकर्ताओं की दोबारा परीक्षा होगी जिन्होंने तीन जून को उत्तरकुंजी जारी होने से पहले याचिका दायर कर दी थी। तीन जून या इसके बाद याचिका दायर करने वालों की दोबारा परीक्षा नहीं होगी। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया है कि याचिकाकर्ताओं की रैंक दोबारा होने वाली परीक्षा में मिले अंकों के आधार पर मानी जाएगी।

घूमने निकले पांच दोस्तों में दो की मौत

इंदौर। तेजाजी नगर थाना क्षेत्र में बायपास स्थित ब्रिज के पास सोमवार देर रात करीब 2 बजे एक भीषण सड़क हादसा हो गया। हादसे में दो इंजीनियरिंग छात्रों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी छात्र महेश्वर के पास ढापला गांव के रहने वाले थे और इंदौर में रहकर पढ़ाई कर रहे थे। पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान धीरज पाटीदार (20) पुत्र किशोर पाटीदार निवासी ग्राम ढापला, थाना मंडलेश्वर और ध्रुव पाटीदार पुत्र डालूराम पाटीदार, निवासी धरगांव, मंडलेश्वर के रूप में हुई है। दोनों इंदौर के एक इंजीनियरिंग कॉलेज से बीटेक कर रहे थे और रेडियो कॉलोनी में किराए के फ्लैट में रहते थे। हादसे में हेमंत पाटीदार, आदित्य और यशराज नामक तीन छात्र घायल हुए हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

रेलवन ऐप का शुभारंभ रेलवे मंत्री द्वारा CRIS के 40वें स्थापना दिवस समारोह

यह ऐप Android PlayStore और iOS App Store, दोनों प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है

संवाददाता ● भोपाल

रेलवन ऐप यात्रियों की सभी आवश्यक सेवाओं के लिए एक वन-स्टॉप सॉल्यूशन है। इस ऐप के माध्यम से यात्रियों को निम्नलिखित सेवाओं तक सरलता से पहुंच मिलती है:टिकटिंग आरक्षित, अनारक्षित, प्लेटफार्म टिकट; ट्रेन और PNR पूछताछ,यात्रा योजना, रेल मदद सेवाएं, ट्रेन में भोजन बुकिंग। साथ ही, इसमें माल परिवहन (फ्रेट) से संबंधित पूछताछ की सुविधा भी उपलब्ध है।

समारोह

इस ऐप का मूल उद्देश्य उपयोगकर्ताओं को बेहतर अनुभव प्रदान करना है, जिसे सरल और स्पष्ट यूआई (यूज़र इंटरफ़ेस) के माध्यम से साकार किया गया है। यह न केवल सभी सेवाओं को एक स्थान पर समाहित करता है, बल्कि सेवाओं के बीच एकीकृत संपर्क भी प्रदान करता है, जिससे उपयोगकर्ता को भारतीय रेल सेवाओं का समग्र पैकेज मिलता है।

इस ऐप की एक विशेष सुविधा है सिंगल साइन-ऑन। इससे उपयोगकर्ताओं को कई पासवर्ड याद रखने की आवश्यकता नहीं पड़ती। RailOne ऐप डाउनलोड करने के बाद, RailConnect या UTSonMobile ऐप की

मौजूदा यूज़र आईडी से लॉगिन किया जा सकता है। इसके कारण उपयोगकर्ताओं को अलग-अलग सेवाओं के लिए अलग-अलग ऐप रखने की जरूरत नहीं पड़ती, जिससे डिवाइस की स्टोरेज भी बचती है।

इस ऐप में आर-वॉलेट (Railway e-wallet) की सुविधा भी जोड़ी गई है। संख्यात्मक mPIN और बायोमेट्रिक लॉगिन जैसी आसान लॉगिन सुविधाएं भी दी गई हैं। नए उपयोगकर्ताओं के लिए कम से कम जानकारी देकर पंजीकरण की व्यवस्था है, जिससे रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया आसान और तेज बनती है। केवल पूछताछ करने वाले उपयोगकर्ता गेस्ट लॉगिन के ज़रिए मोबाइल नंबर और OTP से भी लॉगिन कर सकते हैं।

1 करोड़ तक की क्रेडिट सीमा वाले उधारकर्ता वर्ग में

5 वर्षों में 15% की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर बढ़े

संवाददाता ● मुंबई

हाल ही में देश में मनाए गए एमएसएमई दिवस के अवसर पर, ट्रांसयूनियन सिबिल ने इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में मध्य प्रदेश की बढ़ती और मजबूत भागीदारी को रेखांकित किया है। क्रेडिट संस्थाओं द्वारा ट्रांसयूनियन सिबिल को दी गई जानकारी के अनुसार, मध्य प्रदेश के एमएसएमई न केवल अपने आकार में बल्कि वित्तीय परिपक्वता में भी वृद्धि कर रहे हैं। मार्च 2020 से मार्च 2025 के बीच, 1 करोड़ तक के क्रेडिट एक्सपोजर वाले उधारकर्ताओं के वर्ग में पोर्टफोलियो बैलेंस में 15% की मजबूत चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर दर्ज की गई है। मार्च 2025 तक इस वर्ग में राष्ट्रीय पोर्टफोलियो में राज्य की हिस्सेदारी 4.9% रही। इसी अवधि में, बकाया स्तर पर डिफॉल्ट दर 3.3% रही, जो राष्ट्रीय औसत 3.1% के करीब है और दर्शाता है कि ऋण चुकाने की प्रवृत्ति स्थिर बनी हुई है। मध्य प्रदेश के एमएसएमई एकाग्रता और निरंतरता के साथ बढ़ रहे हैं। राज्य ने छोटे व्यवसायों के लिए वित्तीय पहुंच, विस्तार और क्रेडिट प्रबंधन के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया है। पिछले पांच वर्षों में दिखाई गई प्रगति इस क्षेत्र में भविष्य की व्यापारिक वृद्धि के लिए मजबूत आधार को इंगित करती है।

मध्य प्रदेश में एमएसएमई क्षेत्र के ऋण मार्च 2025 तक

द वेल्थ कंपनी ने शुरू की विश्व-स्तरीय वेल्थ मैनेजमेंट और SIF ट्रेनिंग

पूरे भारत में 5000+ डिस्ट्रीब्यूटर्स को सशक्त बनाने के लिए खास ट्रेनिंग

संवाददाता ● मुंबई

म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर्स को सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़े कदम के तहत, द वेल्थ कंपनी (The Wealth Company) ने इंडस्ट्री में पहली बार तीन विशेष गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए हैं। इनमें से दो मूडीज (Moody's) और पीजीपी एकेडमी (PGP Academy) के साथ मिलकर चलाए जा रहे हैं, जबकि तीसरा विशेष रूप से द वेल्थ कंपनी द्वारा विकसित किया गया है। ये प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरी तरह से प्रायोजित हैं और इन्हें डिस्ट्रीब्यूटर्स को वेल्थ मैनेजमेंट के भविष्य, निवेशकों के व्यवहार और नए जमाने के निवेश प्रोडक्ट्स के लिए तैयार करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस पहल का लक्ष्य पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर 5,000 डिस्ट्रीब्यूटर्स को सशक्त बनाना है, जिससे उन्हें लगातार बदलते उद्योग परिदृश्य में गहरा ज्ञान, आत्मविश्वास और विशेषज्ञता हासिल करने में मदद मिल सके। ये प्रशिक्षण कार्यक्रम 15 जुलाई 2025 से शुरू होने वाले हैं।

पीजीपी एकेडमी: स्पेशलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड (SIF) के लिए तैयारी प्रशिक्षण: इस कार्यक्रम में भाग लेने वालों को NISM सीरीज XIII: कॉमन डेरिवेटिव्स सर्टिफिकेशन एग्जामिनेशन के अनुरूप 15 (15 सप्ताह) ऑनलाइन SIF प्रशिक्षण सत्र (रिकॉर्डिंग सहित) तक पहुंच मिलेगी। इसे पूरा करने पर, उन्हें पीजीपी एकेडमी और द वेल्थ कंपनी से एक संयुक्त प्रमाण पत्र बिना किसी लागत के प्राप्त होगा।

इंटरनेशनल वेल्थ मैनेजमेंट में अवार्ड (AIWM)

यह कार्यक्रम अनुभवी और उभरते दोनों तरह के वेल्थ प्रोफेशनल्स को वैश्विक संदर्भ में ग्राहकों की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए विशेष ज्ञान प्रदान करेगा। इसमें कुल 20 लाइव गहन सत्र (20 सप्ताह) होंगे। यह मूलभूत कार्यक्रम प्रतिभागियों को जटिल वेल्थ मैनेजमेंट चुनौतियों से निपटने की विशेषज्ञता से लैस करेगा, जिससे वे तेजी से परस्पर जुड़ी दुनिया में अनुकूलित समाधान प्रदान करने की अपनी क्षमता को बढ़ा सकेंगे।

इसके अलावा, 'द साइकोलॉजी ऑफ वेल्थ कन्वर्सेशन्स' पर एक बोनस सत्र भी होगा, जिसे विशेष रुप से द वेल्थ कंपनी ने विकसित किया है। यह सत्र डिस्ट्रीब्यूटर्स के रोजमर्रा के अनुभवों पर आधारित है और क्लाइंट एंगेजमेंट को बढ़ाने का एक संरचित तरीका पेश करता है। यह व्यवहारिक वित्त (behavioral finance) और वर्षों के व्यावहारिक अनुभव पर आधारित है, और यह डिस्ट्रीब्यूटर्स को निवेशकों के व्यवहार को समझने, विश्वास मजबूत करने और अधिक सार्थक, अच्छी तरह से सूचित बातचीत करने में मदद करता है।

द वेल्थ कंपनी की मैनेजिंग डायरेक्टर, मिस मधु लूणावत ने डिस्ट्रीब्यूटर-फर्स्ट (distributor-first) दृष्टिकोण के साथ नए जमाने के म्यूचुअल फंड परिदृश्य को नया रुप देने के बारे में बात करते हुए कहा, "डिस्ट्रीब्यूटर्स भारत के म्यूचुअल फंड उद्योग की रीढ़ हैं। यह पहल उनके भविष्य में हमारे निवेश का एक तरीका है।

विद्युत वितरण कंपनी की त्वरित कार्यवाही से उपभोक्ता हुए संतुष्ट

संवाददाता ● भोपाल/विदिशा

तकनीकी त्रुटि से जारी हुए गलत देयकों का विशेष शिविर में हुआ निराकरण

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र के विदिशि वृत्त अंतर्गत लगभग 105 विद्युत उपभोक्ताओं को मई माह की खपत के आधार पर जून माह में जारी किये देयकों में लिपिकीय त्रुटि के कारण अधिक राशि के बिल जारी कर दिये गये थे, जिन्हें कंपनी द्वारा शिकायत प्राप्त होते ही त्वरित कार्यवाही करते हुए विशेष सेवा शिविर आयोजित कर सही राशि के देयक जारी कर दिये गये हैं। गौरतलब है कि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा गलत राशि के देयक प्राप्त होने की शिकायत प्राप्त होते ही त्वरित कार्यवाही करते हुए प्रकरण की जॉच की गई एवं जॉच के दौरान पाया गया कि उपभोक्ताओं के परिसर में स्मार्ट मीटर लगाये जाने के दौरान उनके पुराने मीटर की अंतिम रीडिंग (एफ.आर.) को लिपिकीय त्रुटि के कारण गलत दर्ज कर दिया गया था, जिसके कारण उपभोक्ताओं को अधिक राशि के देयक जारी हो गये थे। कंपनी द्वारा इस संबंध में संबंधित क्षेत्र में विशेष सेवा शिविर का आयोजन किया गया एवं मौके पर ही सभी 105 उपभोक्ताओं को वास्तविक खपत के आधार पर सही देयक जारी किये गये हैं। विशेष शिविर में उपभोक्ताओं ने सही देयक प्राप्त होने पर कंपनी द्वारा की गई इस त्वरित कार्यवाही की सराहना करते हुए संतुष्टि व्यक्त की है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटर बदलने के दौरान की गई इस लापरवाही के लिए संबंधित एजेंसी को चेतावनी जारी करने के साथ ही विदिषा वृत्त के संबंधित कार्मिकों के विरूद्ध भी कार्यवाही की गई है। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए फायदेमंद हैं और स्मार्ट मीटर से रियल टाइम डेटा प्राप्त करना, त्रुटिरहित बिलिंग, वास्तविक खपत की गणना और सही समय पर बिलिंग और रीडिंग इत्यादि कार्य बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के संपादित हो रहे हैं।

शिविर

आगे चल रही गाड़ी ने खोला गेट, टकरा गए ज्वेलर, अस्पताल में दम तोड़ा

संवाददाता ● इंदौर

इंदौर के खातीपुरा में हुए सड़क हादसे में घायल हुए नंदानगर निवासी ज्वेलर्स रजनीकांत काटकर (26) की मंगलवार सुबह इलाज के दौरान मौत हो गई। रजनीकांत 'महाराष्ट्रीयन ज्वेलर्स' नाम से दुकान चलाते थे। घटना वाले दिन वह रानीपुरा इलाके से दुकान के लिए ज्वेलरी रखने की प्लास्टिक डिब्बी लेने निकले थे। उसी दौरान खातीपुरा में वाटर सप्लाई करने वाले एक लोडिंग वाहन (क्रमांक एमपी09एलआर5964) के हेल्पर ने अचानक उसका गेट खोल दिया। वाहन का गेट खुलते ही वह रजनीकांत की एक्टिवा से टकराया, जिससे रजनीकांत असंतुलित होकर सड़क पर जा गिरे। गिरते समय उनका सिर सड़क किनारे पड़े एक पत्थर से टकराया और उन्हें गंभीर चोट आई। हादसे के बाद वाहन में मौजूद हेल्पर जितेन्द्र और ड्राइवर ने रजनीकांत को नजदीकी निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां से उन्हें एमवाय अस्पताल रेफर किया गया।

एमवाय अस्पताल में इलाज के दौरान मंगलवार सुबह रजनीकांत की मौत हो गई। सेन्ट्रल कोतवाली पुलिस के अनुसार, घायल अवस्था में रजनीकांत होश में थे और उन्होंने खुद हादसे की पूरी जानकारी पुलिस को दी थी। उनके भाई रमाकांत काटकर के बयान के आधार पर पुलिस पहले ही लोडिंग वाहन के हेल्पर के खिलाफ लापरवाही का मामला दर्ज कर चुकी थी। रजनीकांत अपने पीछे माता-पिता, छोटा भाई, पत्नी और पांच साल की बेटी को छोड़ गए हैं। परिवार के लिए यह हादसा गहरा आघात है। अब पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की धाराएं जोड़ने की कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना ने शहर में सड़क सुरक्षा और वाहन चालकों की लापरवाही पर फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं।

'हर हेल्थ हॉस्पिटल' फाइब्रॉइड, एंडोमेट्रियोसिस, गर्भाशय हटाने की सर्जरी और यूटेरस कैंसर के उपचार में नई सटीकता

भारत का पहला स्वदेशी सर्जिकल टेली-रोबोटिक सिस्टम लोकार्पित

संवाददाता ● भोपाल

डॉक्टर्स डे के अवसर पर हर हेल्थ हॉस्पिटल, भोपाल ने महिला स्वास्थ्य क्षेत्र में ऐतिहासिक पहल करते हुए भारत में निर्मित पहला स्वदेशी सर्जिकल टेली-रोबोटिक सिस्टम – SSI मंत्रा लोकार्पित किया। इस अत्याधुनिक सिस्टम का उद्घाटन इसके आविष्कारक, विख्यात रोबोटिक कार्डियोथोरेसिक सर्जन एवं एसएस इनोवेशन के संस्थापक डॉ. सुधीर श्रीवास्तव द्वारा एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान किया गया। अब फाइब्रॉइड, एंडोमेट्रियोसिस, हिस्टेरेक्टॉमी (गर्भाशय हटाने की सर्जरी) और गर्भाशय कैंसर जैसी जटिल स्त्रीरोग समस्याओं का उपचार और भी अधिक सटीक, कम जोखिम और तेज रिकवरी के साथ संभव हो सकेगा।

लोकार्पित

"अनेक महिलाएं सिर्फ ऑपरेशन के डर से इलाज टालती हैं। रोबोटिक तकनीक जैसे SSI मंत्रा से अब हम समय पर हस्तक्षेप कर सकते हैं कम चीरे, कम दर्द और बेहतर परिणामों के साथ।"

● डॉ. प्रिया भावे चित्तावर, निदेशक, हर हेल्थ हॉस्पिटल

"हमने SSI मंत्रा को इस सोच के साथ विकसित किया है कि कोई भी रोगी विशेषज्ञ की सर्जरी या गाइडेंस से वंचित न रहे – चाहे वह कितनी भी दूर क्यों न हो। टेली-सर्जरी और टेली-मेंटोरिंग, आधुनिक स्वास्थ्य सेवा का अगला चरण है।"

● डॉ. सुधीर श्रीवास्तव, संस्थापक एवं सीईओ, एसएस इनोवेशन

महिला स्वास्थ्य में रोबोटिक तकनीक के लाभ

- फाइब्रॉइड और एंडोमेट्रियोसिस को सटीकता से हटाने की क्षमता
- हिस्टेरेक्टॉमी और कैंसर सर्जरी में कम रक्तस्राव और कम जटिलता
- छोटे चीरे, कम दर्द, कम अस्पताल में भर्ती समय
- कुछ मामलों में फर्टिलिटी को सुरक्षित रखने में मदद

हम तकनीक के माध्यम से करुणा और सटीकता को जोड़ रहे हैं। SSI मंत्रा से हम न केवल ऑपरेशन कर सकते हैं, बल्कि भविष्य के डॉक्टरों को भी प्रशिक्षित कर सकते हैं – वो भी देश के किसी भी कोने में।"

● डॉ. प्रिया भावे चित्तावर

तकनीक जो भविष्य से जुड़ती है: टेली-सर्जरी और टेली-मेंटोरिंग

SSI मंत्रा प्रणाली न केवल एडवांस सर्जरी के लिए, बल्कि रिमोट सर्जिकल गाइडेंस (टेली-सर्जरी) और वास्तविक समय में विशेषज्ञ डॉक्टर्स द्वारा मेंटरिंग (टेली-मेंटोरिंग) के लिए भी सक्षम है। SSI मंत्रा का ओपन-फेस कंसोल, मॉड्यूलर रोबोटिक आर्म्स और फुल ऑपरेटिंग रुम विजन इसे महिला सर्जरी के लिए बेहद उपयुक्त बनाते हैं। हर हेल्थ हॉस्पिटल अब इस तकनीक का उपयोग स्त्री कैंसर, जटिल ऑपरेशन और प्रजनन संबंधित सर्जरी में भी करेगा।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान SSI मंत्रा की कार्यप्रणाली पर विशेषज्ञ चर्चा भी आयोजित की गई, जिसमें इस तकनीक के महिला स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव पर विशेष जोर दिया गया।

पुराने मुकुट में क्रैक के बाद लिया निर्णय, पहले 3 किलो चांदी का मुकुट पहनाकर देखेंगे

इंदौर के खजराना गणेश का बनेगा नया स्वर्ण मुकुट

संवाददाता ● इंदौर

इंदौर के खजराना गणेश का नया सोने का मुकुट बनेगा। इसकी डिजाइन भी फाइनल हो गई है। पहले करीब 3 किलो चांदी का मुकुट बनेगा। इसे भगवान को पहनाकर देखा जाएगा। डिजाइन और साइज सभी ठीक रहा तो इसी डिजाइन का सोने का मुकुट तैयार किया जाएगा। भगवान के पुराने सोने के एक मुकुट में क्रैक आ गया था, जिसके चलते नया सोने का मुकुट बनाने का निर्णय कुछ समय पहले लिया गया। इसके लिए एक समिति का भी गठन किया है। भगवान गणेश के साथ ही रिद्धि-सिद्धि और शुभ-लाभ के भी नए मुकुट तैयार किए जाएंगे। करीब 6-7 किलो सोने का भगवान गणेश का मुकुट तैयार किया जाएगा। बता दें, इंदौर का खजराना गणेश मंदिर लाखों भक्तों की आस्था का केंद्र है। रोजाना हजारों भक्त यहां भगवान के दर्शन को आते हैं। त्योहार पर ये संख्या काफी बढ़ जाती है। गणेश चतुर्थी, तिल चतुर्थी पर बड़ी संख्या में भक्त यहां भगवान के दर्शन करने आते हैं। इसके अलावा नए साल पर भी काफी संख्या में यहां भक्त आते हैं। वहीं, बुधवार और रविवार को भी यहां भक्तों की संख्या बाकी दिनों से ज्यादा रहती है।

निर्णय

भगवान गणेश के 1-1 किलो के दो मुकुट

मंदिर के पुजारी पं. अशोक भट्ट ने दैनिक भास्कर से चर्चा में बताया कि खजराना गणेश के आभूषण और मुकुट ट्रेजरी में रखे हैं। पुराने मुकुट 1-1 किलो है। ये कम वजन के हैं। इसमें से एक मुकुट क्रैक भी हो गया है। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष व कलेक्टर आशीष सिंह और निगमायुक्त शिवम वर्मा ने प्रबंध समिति में यह निर्णय लिया था कि भगवान गणेश के नए और वजनदार मुकुट बनवाएंगे। नए मुकुट बनाने के लिए भी 10 सदस्यों की समिति बनाई है, जिसमें मंदिर के दो पुजारी, दो मैनेजर, निगम और ट्रेजरी के अधिकारी और सराफा के दो ज्वेलर शामिल हैं। समिति इस पर काम कर रही है।

ट्रेजरी में जाकर देखे थे मुकुट-आभूषण

समिति के सदस्य पिछले दिनों ट्रेजरी में गए थे। जहां पर भगवान के स्वर्ण आभूषण और मुकुट रखे हैं। इस दौरान कारीगर भी साथ में थे। उन्होंने बताया कि स्वर्ण मुकुट बनाने के पहले चांदी का मुकुट बनाया जाएगा। ये चांदी का मुकुट करीब तीन से साढ़े तीन किलो का बनेगा। जो डिजाइन फाइनल की गई है, उसी डिजाइन का पहले चांदी का मुकुट बनाया जाएगा। इसमें करीब एक महीने का समय लगेगा। चांदी का मुकुट तैयार होने के बाद भगवान को पहनाकर देखा जाएगा। डिजाइन और माप सही होने पर सोने का मुकुट तैयार किया जाएगा। सोने का मुकुट तैयार होने में भी एक महीने का समय लगेगा।

सभी आभूषणों का वजन साढ़े 6 किलो

पं. अशोक भट्ट के मुताबिक सोने के पुराने आभूषणों की बातें करें तो भगवान गणेश के दो स्वर्ण मुकुट हैं। रिद्धि-सिद्धि के दो स्वर्ण मुकुट हैं। शुभ-लाभ के दो स्वर्ण मुकुट हैं। एक छत्र है, एक चंद्रिका (किरण), चेन और बिस्किट भी है। यह सभी ट्रेजरी में रखे हैं। इन सभी का वजन करीब 6 से साढ़े किलो है। इन्हीं से भगवान के नए मुकुट तैयार किए जाएंगे। सोना कम पड़ने पर दानदाताओं और भक्तों से सहयोग लिया जाएगा। पुराने मुकुट की बात करें तो भगवान गणेश के 1-1 किलो के दो सोने के मुकुट हैं। रिद्धि-सिद्धि के आधा-आधा किलो के मुकुट है और शुभ-लाभ के 100-100 ग्राम के मुकुट हैं। इसके अलावा छत्र, चंद्रिका (किरण) सोने के बिस्किट, सिक्के हैं।

पेपर पर तैयार हो चुकी है डिजाइन

देखा जाए तो मुकुट की डिजाइन पेपर पर फाइनल हो चुकी है। इसी डिजाइन का पहले चांदी का मुकुट तैयार किया जाएगा। इसके बाद इसे भगवान को पहनाकर देखा जाएगा। मंदिर प्रबंध समिति को इसे दिखाया जाएगा। सब ठीक रहा तो भगवान गणेश का सोने का मुकुट तैयार किया जाएगा।जो इस मुकुट को तैयार कर रहे हैं। वे ही अपनी तरफ से पहले चांदी का मुकुट तैयार करेंगे। पं. भट्ट ने बताया कि जो नई डिजाइन का मुकुट तैयार होगा उसमें स्वास्तिक, ओम, फूल सहित सुंदर नक्काशी देखने को मिलेगी।

पहले भगवान गणेश का बनेगा मुकुट

पं. अशोक भट्ट ने बताया कि सबसे पहले भगवान खजराना गणेश का सोने का मुकुट तैयार किया जाएगा। इसके बाद रिद्धि-सिद्धि और फिर शुभ-लाभ के मुकुट तैयार किए जाएंगे। इसमें करीब 9 किलो सोना लगेगा। मंदिर प्रबंध समिति के पास करीब साढ़े 6 किलो सोना है। भगवान गणेश का 5 से 6 किलो का सोने का मुकुट, रिद्धि-सिद्धि के 1 से डेढ़ किलो के सोने के मुकुट और शुभ-लाभ के आधा-आधा किलो के सोने के मुकुट बनेंगे। सोना कम पढ़ने पर दानदाताओं और भक्तों का सहयोग भी लिया जाएगा। पं. भट्ट ने कहा कि साल में दो बार यानी गणेश चतुर्थी और तिल चतुर्थी पर भगवान खजराना गणेश का स्वर्ण आभूषणों से श्रृंगार किया जाता है।

शॉर्ट न्यूज

न.निगम 7 सुलभ कॉम्प्लेक्स का कॉन्ट्रैक्ट करेगा निरस्त

इंदौर। शहर के नागरिकों को मूलभूत सुविधाओं में मिलने वाले सुलभ शौचालयों की बदहाल स्थिति को देखते हुए नगर निगम प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। निगम ने 7 सुलभ कॉम्प्लेक्स के ठेके निरस्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह निर्णय सफाई, पानी, लाइट और नलों की अनुपलब्धता को देखते हुए लिया गया है। सबसे गंभीर मामला झोन-2 के वार्ड 69 स्थित मुख्यालय के पास का है,जहां बोरिंग खराब होने से कई सप्ताह से पानी नहीं आ रहा। लोग शौच के लिए परेशान हैं। पार्षदों ने निरीक्षण के बाद इन ठेकों को निरस्त करने की सिफारिश की, जिसे प्रशासन ने मंजूरी दे दी है। इन शौचालयों के आसपास बदबू और गंदगी का वातावरण बना हुआ है। नगर निगम ने चेतावनी दी है कि भविष्य में ऐसे ठेकेदारों को काली सूची में डाला जाएगा और नए ठेके पारदर्शी प्रक्रिया से दिए जाएंगे।

एक पेड़ मां के नाम.. : लवकुश चौराहा से उज्जैन तक पौधारोपण

इंदौर। जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कहा है कि पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन की ऐतिहासिक कदम को बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के संकल्प को मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में पूरा किया जाएगा। इसके लिए इन्दौर-उज्जैन 6 लेन 46 किलोमीटर सड़क मार्ग के दोनों ओर एक लाख से अधिक पेड़ लगाए जाएंगे। यह पेड़ सड़क की खाली भूमि, जल स्त्रोत के पास, नदी-नाले के पास, सार्वजनिक स्थान, ग्रीन बेल्ट, विभिन्न ग्राम पंचायतों के मुख्य मार्गों पर सड़क किनारे लगाए जाएं। यह अभियान न केवल पर्यावरणीय संतुलन की दिशा में सार्थक पहल रहेगा बल्कि भावी पीढ़ियों को स्वच्छ, स्वस्थ्य और हरा-भरा वातावरण में भी सहयोग करेगा।

रीगल तिराहे से मधुमिलन चौराहे तक बन रही आदर्श सड़क

डेढ़ किलोमीटर में लगेगी स्मार्ट बेंच बनेंगे आधुनिक सिटी बस स्टॉप भी

संवाददाता ● इंदौर

रीगल तिराहे से मधुमिलन चौराहे तक आदर्श रोड का कार्य तेजी से जारी है। इस रोड को आकर्षक और स्मार्ट बनने के लिए यहां दोनों तरफ सुंदर चित्रकारी के साथ ही विशेष बेंच लगाई जा रही है जिस पर राहगीर विश्राम कर सकेंगे। यहां डेढ़ दर्जन से अधिक सेल्फी प्वाइंट भी बन जा रहे हैं। लोगों का ध्यान शहर की बदहाली से हटाने के लिए मध्य शहर में इस प्रकार की स्मार्ट योजना बनाई गई है। जानकारी अनुसार करीब डेढ़ किलोमीटर लंबी रोड को आकर्षक बनाने का कार्य एक वर्ष से भी अधिक से जारी है। वर्तमान में यहां सड़क के दोनों ओर 20 से ज्यादा आकर्षक लकड़ी की खूबसूरत डिजाइनर बेंचें लग चुकी है। साथ में रवींद्र नाट्य गृह और डीएवीवी यूनिवर्सिटी के पास दो जगह आकर्षक नए सेल्फी पॉइंट भी लग कर तैयार है। इसके अलावा रोशनी के लिए भी यहां सौर ऊर्जा से चलने वाले 40 डिजाइनर नए इलेक्ट्रिक पोल भी लगाए जा रहे है, जो रात में आकर्षक रोशनी से शहर के दूसरे आदर्श मार्ग को रोशन करेंगे। इसके साथ ही नए फुटपाथ पर मॉडल रोड़ पलासिया की तरह कलर कर फुटपाथ को सजाया जा रहा है। देवी अहिल्या की म्यूरल छोटी आकर्षक प्रतिमा भी सेल्फी पॉइंट में नजर आएगी, जिसे निगम यूनिवर्सिटी के पास लगाएगा। 100 फीट चौड़े रोड़ पर हरियाली भी लगा रही खूबसूरती में चार चांद साथ ही फुटपाथ को और ज्यादा खूबसूरत बनाने के लिए हरियाली और ग्रीनरी के लिए 100 फीट चौड़े मार्ग के खूबसूरत फुटपाथ पर रंगबिरंगी पत्तियों वाले लंबे पौधे भी लगाए है, जो दूर से इस आदर्श मार्ग की खूबसूरती और शोभा बढ़ा रहे हैं।

योजना

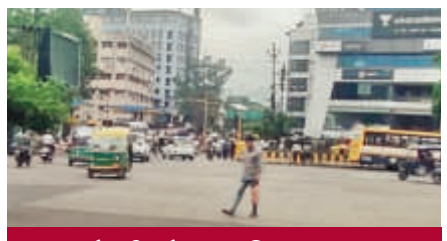

तेजी से पूरा किया जा रहा बचा हुआ कार्य

निगम अधिकारियों का कहना है कि ठेकेदार को 100 दिन में काम पूरा करना था, लेकिन तय समय सीमा में काम पूरा नहीं हो पाया। अब ठेकेदार से काम तेजी से पूरा करवाया जा रहा है। पहले 100 दिन में इस आदर्श मार्ग को संवारकर तैयार करवाना था ताकि जल्द लोकार्पण के बाद शहर के नागरिकों को दूसरे आदर्श मार्ग की सौगात मिल जाती, लेकिन अभी कई छोटे मोटे काम बाकी है।

दावा- फर्नीचर से लेकर वॉश बेसिन और बिजली के सॉकेट तक सब हैं सोने के

इंदौर का घर सोशल मीडिया पर वायरल

इंदौर। इंदौर का एक लक्जरी मकान सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। यह मकान इंदौर के उद्योगपति अनूप अग्रवाल का बताया जा रहा है। घर में फर्नीचर से लेकर वॉश बेसिन और बिजली के सॉकेट तक सोने के हैं। देशभर में असामान्य और असाधारण घरों को दिखाने के लिए मशहूर इंस्टाग्राम कंटेंट क्रिएटर ने इस घर का वीडियो शेयर किया है। क्रिएटर के इस लेटेस्ट वीडियो ने इंटरनेट का ध्यान खींचा है, जिसे अब तक 10 मिलियन से ज्यादा बार देखा जा चुका है। वीडियो में क्रिएटर घर के मालिक और उनकी पत्नी से उनकी आलीशान बंगले को देखने की परमिशन मांगते हैं। जैसे ही वह इस महलनुमा घर में दाखिल होते हैं उनकी नजर सामानों पर नहीं, बल्कि कई बेहतरीन और शानदार कारों वाले कलेक्शन पर पड़ती है, जिसमें 1936 की विंटेज मर्सिडीज भी शामिल है। जब इस बंगले के मालिक क्रिएटर को अपने 10 बेडरूम वाले घर के अंदर ले जाते हैं तो अंदर का नजारा और भव्यता देख क्रिएटर भी हैरत से चौंक जाते हैं। वह कहते हैं, 'मुझे बहुत सारा सोना दिखाई दे रहा है', जिस पर घर के मालिक गर्व से जवाब देते हैं, 'यह हमारा असली 24 कैरेट सोना है। सजावटी सामानों से लेकर बिजली के सॉकेट तक, हर जगह सोना देखा जा सकता है। हैरानी में, क्रिएटर कहते हैं, 'सॉकेट भी सोने से बने हैं।

5 बसों के फिटनेस रद्द, 39 हजार रूपए का वसूला जुर्माना

आरटीओ के अमले ने की स्कूली बसों की जांच, कई पर की कार्रवाई

संवाददाता ● इंदौर

कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देश के बाद स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर परिवहन विभाग एक्शन मोड में है। नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत के साथ ही परिवहन विभाग ने सख्त रुख अपनाते हुए सोमवार को तीन प्रमुख स्कूलों की बसों पर आकस्मिक जांच अभियान चलाया। इस दौरान नियमों की अनदेखी करने वाली बसों पर बड़ी कार्रवाई की गई। आरटीओ प्रदीप कुमार शर्मा के नेतृत्व में चली इस कार्रवाई में तीन स्कूलों की कुल 58 बसों की जांच की गई। इनमें से 21 बसों में नियमों के उल्लंघन पाए गए। 5 बसों की फिटनेस तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दी गई, वहीं 16 बसों पर कुल 39 हजार रूपये का समन शुल्क वसूला गया।

आरटीओ शर्मा ने बताया कि यह कार्रवाई कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देश पर की जा रही है। उन्होंने कहा कि स्कूली वाहनों की समय-समय पर जांच जरूरी है ताकि बच्चों की यात्रा पूरी तरह सुरक्षित हो। शर्मा ने स्पष्ट किया कि आगे भी यह अभियान जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ और भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। विभाग का मुख्य उद्देश्य स्कूली परिवहन व्यवस्था को सुरक्षित और मानकों के अनुरूप बनाना है। परिवहन विभाग के जांच दल में उपनिरीक्षक नरेंद्र सिंह कुशवाह, जितेन्द्र गुर्जर, सचिन भदाले, दिनेश शर्मा शामिल थे।

स्कूलवार जांच का विवरण

- विद्यांजलि इंटरनेशनल स्कूल (बायपास रोड):
- जांचे गए वाहन: 17
- 2 बसों की फिटनेस निरस्त
- 7 बसों पर 21 हजार का समन शुल्क
- दिल्ली इंटरनेशनल स्कूल (धार रोड):
- जांचे गए वाहन: 17
- 10,000 समन शुल्क 5 बसों पर
- सेंट मेरी चैम्पियन हायर सेकेंडरी स्कूल (धार रोड)
- जांचे गए वाहन: 24
- 3 बसों की फिटनेस निरस्त
- 5 बसों पर 8 हजार का समन शुल्क।

एनएचएआई ने खोल दिए एक साथ तीन हाईवे के काम

इसलिए हो रहा कई जगह ट्रैफिक जाम

संवाददाता ● इंदौर

इंदौर-देवास रोड पर हुए जानलेवा जाम का मुद्दा चर्चा में है। जाम को हटाने के लिए अफसरों ने ट्रैफिक दूसरे मार्गों की तरफ मोड़ दिया। इससे ट्रांसपोर्टर नाराज है, क्योंकि उन्होंने अतिरिक्त समय व डीजल लग रहा है। ट्रैफिक जाम की स्थिति आने वाले दिनों में भी रहेगी,क्योकि राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने इंदौर में एक साथ तीन राष्ट्रीय राजमार्गों के काम खोल दिए है। इंदौर देश के चार राष्ट्रीय राजमार्गों से जुड़ा है। देश का सबसे महत्वपूर्ण आगरा-मुबंई राष्ट्रीय राजमार्ग इंदौर से गुजरता है। इसके लिए वर्ष 2000 में बाइपास बनाया गया था। इंदौर से देवास तक के हिस्से को दस साल पहले छह लेन किया गया, लेकिन कम ब्रिज बनाए। अब वहां ब्रिज बनाए जा रहे है। इस कारण 30 किलोमीटर हिस्से में तीन जगह जाम लगता है। सबसे ज्यादा परेशानी अर्जुन बड़ौद गांव में होती है। यहां सर्विस रोड की चौड़ाई कम है।

इसके अलावा इंदौर-इच्छापुर हाईवे का काम भी चल रहा है। चलते निर्माण के बीच ट्रैफिक इंदौर से चोरल, भैरवघाट होते हुए खंडवा की तरफ जाता है। इस मार्ग पर भी आए दिन जाम लगता है। सावन माह में इस मार्ग से कावड़ यात्री निकलते है। तब भी भारी वाहनों का ट्रैफिक रोक दिया जाएगा। ट्रकों को खरगोन होते हुए खंडवा की तरफ जाना पड़ता है। इसके अलावा इंदौर-हरदा राजमार्ग का निर्माण भी चल रहा है। एक साथ तीन मार्गों के निर्माण के कारण इंदौर के आसपास बार-बार यातायात बाधित होता है।

इंदौर-उज्जैन रोड के ट्रैफिक का दबाव भी बाइपास पर : इंदौर-उज्जैन स्टेट हाइवे को छह लेन करने का काम भी शुरू हो चुका है। 50 किलोमीटर लंबे इस मार्ग से राजस्थान और उत्तर प्रदेश के वाहन आते है। मार्ग निर्माण के दौरान ट्रैफिक जाम से बचने के लिए वाहन चालक इंदौर से देवास होकर उज्जैन जा रहे है। इस कारण भी इंदौर-देवास बाइपास पर ट्रैफिक का दबाव बढ़ गया है।

रोजगार, स्वरोजगार और अप्रेन्टिसशिप मेला युवा संगम कार्यक्रम 7 को

इंदौर। राज्य शासन की मंशा के अनुसार इंदौर जिले के बेरोजगार युवाओं को निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कम्पनियों में नौकरी दिलाने के लिए युवा संगम कार्यक्रम के अन्तर्गत रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप मेला लगातार आयोजित किये जा रहे हैं। इसी सिलसिले में एक संयुक्त रोजगार मेला (युवा संगम) जिला रोजगार कार्यालय, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था और जिला उद्योग केन्द्र इन्दौर के संयुक्त तत्वावधान में 07 जुलाई सोमवार को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था नन्दा नगर में आयोजित होगा। उप संचालक (रोजगार) पी.एस. मण्डलोई ने बताया कि उक्त रोजगार मेले में आवेदकों को कॅरियर बनाने का सुनहरे अवसर के साथ-साथ स्वयं का व्यवसाय प्रारम्भ करने के लिये लोन की प्रक्रिया के लिए मार्गदर्शन भी दिया जायेगा।

राजस्व महाअभियान के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर कलेक्टोरेट में हुई बैठक

राजस्व अधिकारी निर्धारित समयसीमा में राजस्व प्रकरणों का निराकरण करें : कलेक्टर

संवाददाता ● इंदौर

निर्देश

इंदौर जिले में राजस्व महाअभियान का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत तेजी से राजस्व प्रकरण निराकृत हो रहे हैं। कलेक्टर आशीष सिंह ने आज यहां राजस्व अधिकारियों की बैठक में इस अभियान के प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि अभियान के अंतर्गत निर्धारित अवधि में लंबित प्रकरण निराकृत किए जाएं। राजस्व प्रकरणों के निराकरण में अधिकारी पारदर्शिता, ईमानदारी, गुणवत्ता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करें। कार्यों में गति लायें। समन्वय बनाकर कार्य करें। प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर आशीष सिंह ने कहा कि मध्य जुलाई तक सभी प्रकरणों का निराकरण हो जाये। इसके लिये कार्ययोजना बनायी जाये। अधिकारी मैदान में जाकर कार्य करें और उसकी सतत मॉनीटरिंग करें। बैठक में अपर कलेक्टर गौरव बेनल, रोशन राय, रिंकेश वैश्य सहित एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में बताया गया कि जिले में नामांतरण के जून माह में कुल 3408 प्रकरण निराकृत हुए। विवादित नामांतरण के 279 प्रकरण निराकृत किए गए। बंटवारा के 312 प्रकरण और विवादित बंटवारा के 12 प्रकरणों का निराकरण किया गया। इसी तरह सीमांकन के 2120 प्रकरण, रास्ता विवाद के 80 प्रकरण निराकृत हुए। बटांकन के 861 और कब्जा विवाद के 108 प्रकरण निराकृत किये गये। बैठक में अधिकारियों ने भी अपने सुझाव रखे।

किसानों को मिले उन्नत किस्म के बीज और मानक स्तर का खाद

इंदौर जिले में खरीफ मौसम के दौरान बोवनी का कार्य तेजी से जारी है। किसानों को समय पर खाद, बीज सहित अन्य कृषि साधन उपलब्ध कराने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। कलेक्टर आशीष सिंह ने आज यहां कृषि और इससे जुड़े विभागों के अधिकारियों की बैठक लेकर कृषि कार्यों की समीक्षा की। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सिद्धार्थ जैन, उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास श्री सी.एल. केवड़ा, कृषि तकनीकी प्रबंध संस्थान की परियोजना संचालक सर्ली थामस सहित उद्यान, मण्डी बोर्ड, पशुपालन आदि विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में बताया गया कि इंदौर जिले में 2 लाख 52 हजार हेक्टेयर में बोवनी का लक्ष्य था, जिसमें से 2 लाख 27 हजार हेक्टेयर में बोवनी हो चुकी है, जो कुल बोवनी का लगभग 90 प्रतिशत है। इसमें सर्वाधिक प्रतिशत सोयाबीन का है। सोयाबीन की बोवनी 2 लाख 14 हजार हेक्टेयर में होनी थी, जिसमें से 2 लाख 10 हजार हेक्टेयर में हो चुकी है। बैठक में कलेक्टर सिंह ने लक्ष्मीबाई नगर कृषि मण्डी को आदर्श मण्डी बनाने के लिए प्रस्ताव बनाकर प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये। कलेक्टर सिंह ने कहा कि किसानों को उन्नत किस्म के बीज मिले और मानक स्तर का खाद मिले, इसकी व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। जिले में अमानक खाद की बिक्री नहीं हो इसका ध्यान रखा जाये। पशुपालकों को उन्नत किस्म के पशु उपलब्ध कराये जाये, ताकि दूध उत्पादन में बढ़ोत्तरी हो सके। साथ ही मछली उत्पादन को बढ़ावा देने के लिये मत्स्य पालकों को बेहतर सुविधाएं प्रदान की जाये। बैठक में अधिकारियों ने अपने विचार रखे।

संपादकीय

भारत की दो टूक

शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (SCO) के सम्मेलन में संयुक्त बयान पर हुआ घटनाक्रम चीन और पाकिस्तान का आतंक के खिलाफ भारत की लड़ाई को कमजोर करने का प्रयास है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बयान पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर स्पष्ट संदेश दिया है कि आतंकवाद पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। भारत विरोधी अजेंडाः बैठक में रक्षा मंत्री ने साफ शब्दों में कहा कि आतंकियों, उनके समर्थकों, फंडिंग करने वालों और सीमा पार से आतंक फैलाने वालों को जवाबदेह ठहराना जरूरी है। लेकिन, जब भारत ने यह प्रस्ताव दिया कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले को संयुक्त बयान में शामिल किया जाए, तो चीन और पाकिस्तान ने मिलकर इसका विरोध किया। असंतुलित नजरियाः पाकिस्तान की ओर से यह कोशिश की गई कि बलूचिस्तान में हुई घटनाओं और वहां की स्थिति को संयुक्त बयान में जगह मिले। यह एक सोची-समझी रणनीति थी। वर्तमान SCO अध्यक्ष होने के नाते सदस्यों के बीच संतुलन की जिम्मेदारी चीन की थी, लेकिन उसने हमेशा की तरह पाकिस्तानी अजेंडे को आगे बढ़ाया। भारत के रुख से उसे झटका लगा है। संयुक्त बयान जारी न होना बड़ी नाकामी है। बलूचिस्तान के मानवीय संकट को आतंकवाद का रूप देकर पाकिस्तान वहां के लोगों पर हो रहे अत्याचारों को छिपाना चाहता है। वह भारत पर झूठे आरोप लगाकर अंतरराष्ट्रीय सहानुभूति बटोरने की पुरानी रणनीति पर चल रहा है। वहीं चीन, जो खुद शिनच्यांग में उइगुर मुस्लिमों के खिलाफ दमनकारी नीतियों के लिए बदनाम है, पाकिस्तान की इसी भाषा का समर्थन कर रहा है। दोनों को ही पता है कि आतंकवाद पर होने वाली किसी भी बात का सिरा पाकिस्तान तक ही पहुंचेगा। चीन ऐसा नहीं होने दे सकता, क्योंकि भारत के खिलाफ इस्लामाबाद उसका मोहरा है। SCO की स्थापना इसलिए की गई थी, ताकि सोवियत संघ के विघटन के बाद इलाके में शांति और सुरक्षा बनी रहे। इस समूह का प्राथमिक लक्ष्य है - आपसी सहयोग से एक-दूसरे की सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं को दूर करना। लेकिन, चीन और पाकिस्तान ने SCO की इस मूल भावना के विपरीत काम किया है। अपने तुच्छ हितों के लिए उन्होंने ऑर्गनाइजेशन के मकसद को भुलाकर कूटनीतिक संकट पैदा कर दिया। संयुक्त बयान को आतंकवाद के मुद्दे से भटका कर चीन और पाकिस्तान ने संगठन की विश्वसनीयता व उद्देश्य पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। जब कोई संगठन अपने ही मूल सिद्धांतों से पीछे हटने लगे, तो फिर उसका अंतरराष्ट्रीय कद और प्रभाव भी गिरने लगता है। SCO इसका शिकार न हो, इसके लिए दूसरे सदस्य देशों को चीन-पाकिस्तान की चालबाजियों को समझना होगा।

ईरान ने स्वयंभू 'विश्व विजेताओं' को दिखाया आईना

इस्राईल बनाम ईरान संघर्ष में इस्राईल के वजूद से सम्बंधित कुछ बातें कभी भी नज़रअंदाज़ नहीं की जा सकतीं

–तनवीर जाफ़री

लेखक राजनीतिक विषयों पर लिखते हैं।

मध्य एशिया में मंडरा रहे युद्ध के बादल फ़िलहाल छंटते हुये नज़र आ रहे हैं। 13 जून को इस्राईल ने ईरान पर अचानक बड़ा हमला कर दिया था। इन हमलों में ईरान के उच्चस्तरीय 20 कमांडर और परमाणु वैज्ञानिक मारे गए थे। इसके बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाइयां कीं। दोनों ओर से ड्रोन व मिसाइल की बौछार 12 दिनों तक होती रही। इस्राईल के इतिहास में यह पहला मौक़ा था जब ईरान जैसे किसी देश ने धोखे से किये गये उसके हमलों का ऐसा मुंहतोड़ जवाब दिया जिसकी इस्राईल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू या इस्राईल की जनता ने भी कभी कल्पना नहीं की होगी। इस्राईल बनाम ईरान संघर्ष में इस्राईल के वजूद से सम्बंधित कुछ बातें कभी भी नज़रअंदाज़ नहीं की जा सकतीं। जर्मन तानाशाह एडोल्फ़ हिटलर के उत्पीड़न के बाद यहूदी मुख्य रूप से 1930 के दशक से 1940 के दशक के बीच फ़िलिस्तीनियों की अनुकम्पा से यहाँ बसने लगे। इस दौरान, लगभग 2,50,000 यहूदी फ़िलिस्तीन पहुंचे थे । द्वितीय विश्व युद्ध 1939-1945 के बाद, विशेष रूप से होलोकॉस्ट के बाद, 1945 से 1948 तक यहूदी प्रवास फिर से बढ़ा, और 1948 में इस्राईल की स्थापना के साथ यह प्रक्रिया और भी तेज़ हो गयी। चूँकि इस्राईल को अरब के इस क्षेत्र में बसाने में पश्चिमी देशों ख़ासकर अमेरिका व ब्रिटेन की दूरगामी सोच काम कर रही थी इसलिये इन देशों ने इसे भरपूर समर्थन देकर न केवल इनके फलने फूलने में इस्राईल की पूरी मदद की बल्कि क़ब्ज़े की इस ज़मीन पर अपने विस्तार के लिये की जाने वाली हिंसक कार्रवाइयों में भी हमेशा इनके साथ रहे। इसी अमेरिकी समर्थन का नतीजा है कि इस्राईल गत दो वर्षों में ग़ज़ा के लगभग 80 हज़ार बेगुनाह व निहत्थे लोगों को मार चुका है।और उसकी बर्बरतापूर्ण कार्रवाई अभी भी जारी है। दूसरी तरफ़ वह ईरान है जो पश्चिमी देशों की ' बांटो और राज करो ' की नीति का शिकार होकर ऑर्गनाइज़ेशन ऑफ़ इस्लामिक कोऑपरेशन के 57 सदस्य देश होने के बावजूद पश्चिमी साज़िश के तहत केवल शिया-सुन्नी मतभेद के नाम पर हमेशा अलग थलग किया जाता रहा । इसके अलावा 1979 में जबसे ईरान में अमेरिका परस्त शाह मोहम्मद रज़ा पहलवी का तख़्ता पलट हुआ और अयातुल्लाह रूहुल्लाह ख़ोमैनी के नेतृत्व में इस्लामी गणराज्य की स्थापना हुई तभी से ईरान अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों का भी सामना करता आ रहा है। इस अमेरिकी विरोध की वजह केवल यह थी कि अयातुल्लाह ख़ोमैनी के नेतृत्व वाली इस्लामिक क्रांति ने ईरान को न केवल पश्चिमी सभ्यता से मुक्त कर ईरानी सभ्यता पर चलने की राह हमवार की बल्कि ईरान की तेल सम्पदा को लेकर अमेरिकी मनमानी किये जाने के अमेरिकी सपनों को भी चकनाचूर कर दिया। यही वजह थी कि अमेरिका ने ईरान के 1979 इस्लामिक क्रांति के बाद के शासन को 'कट्टरपंथी शासन ' कह कर संबोधित करना शुरू कर दिया। और पूरे विश्व में ईरान को लेकर यही धारणा बनाने की कोशिश भी की। उधर ईरान के अतिरिक्त इस्लामी जगत के लगभग सभी शेष देश पश्चिमी देशों ख़ासकर अमेरिका की आँखों का तारा बने रहे। इसी लिये अमेरिका ने बहरीन,कुवैत,यूएई,इराक़,सऊदी अरब,जॉर्डन जैसे अनेक देशों को ईरान का भय दिखा कर इन देशों की सुरक्षा करने के नाम पर यहाँ अपने सैन्य ठिकाने बना रखे हैं। कई अमेरिकी युद्धपोत भी इस क्षेत्र में सक्रिय हैं। अमेरिका यह सारी क़वायद केवल ईरान को घेरने की अपनी दूरगामी साज़िश के तहत करता आ रहा है। उधर ईरानी नेतृत्व जिसकी बागडोर उन शिया उलेमाओं के हाथों में है जिनकी प्रेरणा का मुख्य स्रोत हज़रत अली व उनके पुत्र हज़रत इमाम हुसैन का वह घराना है जिसने लगभग 1450 वर्ष पूर्व करबला (इराक़) में अपनी व अपने परिजनों की क़ुर्बानी देकर इतिहास में सुनहरे अक्षरों में रहती दुनिया तक के लिये यह लिख दिया कि दुश्मन चाहे जितना ताक़तवर क्यों न हो परन्तु यदि वह क्रूर है,अमानवीय है,असत्य और हिंसा पर चलने वाला है,अधार्मिक है तो ऐसे दुश्मन के आगे सिर्फ़ उसकी ताक़त से प्रभावित होकर झुकना 'अधर्म ' है। उस समय हुसैन ने यज़ीद की लाखों की सेना की परवाह नहीं की। जिसका नतीजा है कि आज पूरे विश्व में अली और उनके बेटे हुसैन का परचम लहराते देखा जा सकता है जबकि कोई मुसलमान अपने औलादों का नाम तक यज़ीद रखना पसंद नहीं करता।

उसी करबला से प्रेरणा लेकर ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह ख़ामनेई ने इतिहास में पहली बार वह कर दिखाया जिसकी दुनिया उम्मीद भी नहीं कर रही थी। ईरान की तरफ़ से इस्राईल पर इतने ज़बरदस्त जवाबी आक्रमण हुये कि यदि एक सप्ताह और युद्ध खिंचता तो संभवतः पूरा इस्राईल खंडहर में तब्दील हो जाता। उधर चतुर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प भी ईरानी आक्रामकता से भयभीत होकर अपनी इज़्ज़त बचाने के अवसर तलाशने लगे। दुनिया में कोई देश ऐसा नहीं जो इस्राईल व अमेरिका को एक साथ चुनौती देने का साहस रखता हो। वर्तमान समय की सच्चाई तो यही है कि जैसे इलाक़े के गुंडे के साथ खड़े होकर लोग अपने आप को भी सूरमा समझने लगते हैं उसी तरह अमेरिका का पिछलग्गू या उसका चाटुकार बनना भी दुनिया के अनेक देश अपना सौभाग्य समझते हैं। कुछ अमेरिकी शक्ति से प्रभावित होकर कुछ मधुर रिश्ते बनाये रखने की ख़ातिर तो कुछ व्यावसायिक दृष्टिकोण के मद्देनज़र। परन्तु ईरान अकेला ऐसा देश है जिसने 46 वर्षों के लम्बे अरसे का अमेरिकी प्रतिबंध झेलने के बावजूद अपने आप को इतना मज़बूत कर लिया कि इस्राईल को अपना अस्तित्व ख़तरे में पड़ता नज़र आने लगा तो अमेरिका को अपनी झूठी आबरू बचाने की नौबत आन पड़ी। बहरहाल,दोनों देशों के बीच युद्ध विराम की ख़बर से पूरी दुनिया ने चैन की सांस तो ज़रूर ली है। परन्तु इस युद्ध विराम को लेकर इस्राईल व अमेरिका द्वारा किये जा रहे भ्रामक दावों के बीच ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह ख़ामनई का बयान एक बार फिर ईरान के मज़बूत पक्ष व उसके बुलंद हौसलों की तस्वीर पेश करता है।

विचार

मानव का भी समाज में
अलग अलग है स्वभाव
कोई तैर जाता नदी में
लोई ले चलता नाव
जैसी स्थिति की मांग हो
वैसा ही उठाओ कदम
परिस्थिति को पहचान लो
न होने पाए भ्रम

● कुँवर संदीप सिंह

चाणक्य

आचार्य चाणक्य का कहना है कि जो व्यक्ति अपने धन या फिर किसी गुणों का झूठा दिखावा करता है, उसे जीवन में कभी–न–कभी अपमान का जरूर सामना करना पड़ता है। क्योंकि जब लोगों के सामने सच्चाई आती है, तो वह उस व्यक्ति का विश्वास करना बंद कर देते हैं।

● आचार्य चाणक्य

सुकरात

आत्म–साक्षात्कार से बड़ा कोई धन नहीं है. अपने आप को जानना और अपनी कमजोरियों और क्षमताओं को समझना ही सही मार्ग पर चलने की कुंजी है. "हर व्यक्ति में अच्छाई होती है, उसे सिर्फ तलाशने की जरूरत है." सुकरात का विश्वास था कि हर इंसान के भीतर अच्छाई का बीज होता है.

● सुकरात के अनुसार

Business News

बुलियन मार्केट

सोना और चांदी में बाजार तेज

इंदौर। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा पुनः फेड चैयरमेन पावेल से ब्याज दर कटौती के लिए एक चिट्ठी लिखी है और उसमें उन्होंने पॉवेल को भला बुरा भी कहा है और अमेरिकी अर्थव्यवस्था को सुचारु करने के लिए ब्याज दर कटौती पर जोर दिया है। सोने और चांदी में अच्छी तेजी दर्ज की गई। सोना 800 तेज होकर 97800 का भाव रहा वही चांदी 500 तेज होकर 105 800 का भाव रहा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत 3345 ऊपर में 3348 नीचे में 3299, चांदी 3648 सेण्ट ऊपर में 3661 नीचे में 3580 नकद में केडबरी 97800 एक दिन पूर्व 96700 आरटीजीएस 99200 सोना 22 कैरेट 90800जीएसटी सहित चांदी नगद 105800 एकदिन पूर्व 105300 आरटीजीएस में 107500 चांदी टंच 106000 रुपए सिक्का 1160 भारतीय रुपया 85.51 स्थानीय बाजार में सोना लगभग 800 रुपए प्रति दस ग्राम और चांदी 500 रुपए किलो की बढ़त पर है।

इंदौर सराफा– सोना केडबरी रवा नकद 97800, आरटीजीएस 99200 रुपए, सोना 22 कैरेट (जीएसटी सहित) 90800 रुपए प्रति दस ग्राम, चांदी नकद 105800, आरटीजीएस 105300 और टंच 106000 रुपए प्रति किलो रही। चांदी का सिक्का 1160 रुपए प्रति नग।

उज्जैन सराफा– सोना केडबरी 97100 और रवा 97000 रुपए प्रति दस ग्राम। चांदी पाट 105600,टंच 105500 रुपए प्रति किलो। सिक्का 1200 रुपए प्रति नग बिका।

शकर कोटा कम, लौंग में मंदा

इंदौर। शकर का उत्पादन इस बार 256 लाख मीट्रिक टन हुआ है, जो गत वर्ष की तुलना में 18 प्रतिशत अधिक है। उत्पादन में कमी के से सरकार द्वारा मासिक कोटा खपत के अनुरूप नहीं छोड़े जाने एवं जमाखोरी से बाजार उछल गया। नीचे वाले भाव में ग्राहकी सुधरने से मिलों ने 10-20 रुपए बढ़ाकर बोले गए। हालांकि इसमें लंबी तेजी तो नहीं है, लेकिन मंदा भी नहीं आएगा। लौंग में सुस्ती जारी है। घटी कीमत पर लौंग का उठाव सुस्त ही बना हुआ है। अंतर्राष्ट्रीय कीमत सुस्त बनी होने से बाजार की धारणा प्रभावित हो रही है। इलायची में मंदी नहीं है।

भारत का विनिर्माण क्षेत्र जून में 14 महीने के उच्चतम स्तर पर

नई दिल्ली। भारत के विनिर्माण क्षेत्र ने वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में मजबूत वृद्धि दिखी। एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) के आंकड़ों से इसकी पुष्टि हुई। यह इंडेक्स मई में 57.6 से जून में 58.4 पर पहुंच गया। एचएसबीसी के अनुसार, यह 14 महीनों में उच्चतम स्तर है। पीएमआई का आंकड़ा 54.1 के दीर्घकालिक औसत से काफी ऊपर है। यह व्यापार स्थितियों में मजबूत सुधार के संकेत देता है। जून में अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर में तेज वृद्धि दिखी। 2005 में सर्वेक्षण शुरू होने के बाद से निर्यात मांग में तीसरी सबसे तेज गति से वृद्धि देखी गई। इसमें कंपनियों की ओर से मांग के प्रमुख स्रोत के रूप में ज्यादातर अमेरिका का उल्लेख किया गया। इस मजबूत वैश्विक रुचि ने समग्र बिक्री और उत्पादन को बढ़ावा देने में मदद की। अप्रैल 2024 के बाद से उत्पादन की मात्रा सबसे तेज दर से बढ़ी, जो मुख्य रूप से मध्यवर्ती सामान निर्माताओं की ओर से संचालित है। हालांकि, उपभोक्ता और पूंजीगत सामान उत्पादकों ने धीमी वृद्धि देखी। सक्रिय विपणन प्रयासों और बढ़ते निर्यात द्वारा समर्थित नए ऑर्डर भी अधिक तेजी से बढ़े।

मांग में मजबूत वृद्धि से रोजगार में रिकॉर्ड वृद्धि हुई। मई में स्थिरता के बाद, जून में काम का बैकलॉग बढ़ गया, जिससे कई कंपनियों को अधिक कर्मचारियों को काम पर रखना पड़ा। इस भर्ती का अधिकांश हिस्सा अल्पकालिक जरूरतों के लिए था, जिसका उद्देश्य बढ़े हुए कार्यभार को संभालना था। एचएसबीसी के आंकड़ों के अनुसार लोहे और स्टील जैसे कच्चे माल की कीमतें उच्च बनी रहीं। कुल इनपुट लागत मुद्रास्फीति फरवरी के बाद से अपने सबसे निचले स्तर पर आ गई और यह ऐतिहासिक औसत से नीचे रही।

इसके बावजूद, बिक्री की कीमतें बढ़ती रहीं क्योंकि कंपनियों ने अपने ग्राहकों को उच्च लागत- जिसमें माल ढुलाई, श्रम और सामग्री शामिल हैं की जानकारी दी। कई फर्मों ने कहा कि वे मजबूत मांग के कारण कीमतें बढ़ाने में सक्षम थे। निर्माताओं ने कच्चे माल की अपनी खरीद भी बढ़ा दी, जो 14 महीनों में खरीद गतिविधि में सबसे मजबूत वृद्धि को दर्शाता है।

अधिकतर बडी कंपनियों की गति धीमी

भारतीय आईटी सेवा कंपनियों के लिए वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में मामूली वृद्धि की उम्मीद की जा रही है। हालांकि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक अस्थिरता के चलते इन कंपनियों के सामने कई चुनौतियां बनी हुई हैं, लेकिन कंपनियों ने खर्च के माहौल में किसी बड़ी गिरावट से इनकार किया है। विश्लेषकों का मानना है कि यह तिमाही मार्च से बेहतर, लेकिन जनवरी जैसी मजबूत नहीं होगी। एक अंतरराष्ट्रीय शोध फर्म के वरिष्ठ विश्लेषक के अनुसार ग्राहक अभी भी खर्च को लेकर सतर्क हैं।

ग्राहकी का समर्थन नहीं मिलने से दालों में मंदी

इंदौर। स्टॉक के माल की बिकवाली लगातार बनी रहने से दाल की कीमतों में गिरावट बनी हुई है। सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाए जाने के बावजूद भी ग्राहकी का समर्थन नहीं मिल रहा है। उत्पादन एवं आयात पड़ता को देखते हुए इन भावों में अपना माल बेचते रहना चाहिए। रंगून से बिकवाली का प्रेशर चौतरफा बना हुआ है, जिस कारण कारोबारी भाव घटाकर बोलने लगे हैं। जो तुवर पिछले माह यहां 7500 रुपए प्रति कुंतल नीचे में लेमन तुवर बिकी थी, उसके भाव 6700 रुपए रह गई हैं। दाल की बिक्री भी अनुकूल नहीं है तथा महाराष्ट्र कर्नाटक की फसल इस बार बढिय़ा आई है। मौसम अनुकूल होने तथा बिजाई अधिक होने से मूंग में आवक का

दबाव बना हुआ है। जिससे हर भाव में बिकवाली है. त्यौहार के लिए बेसन मिलों की मांग अच्छी निकलने की उम्मीद है।

दलहन– चना कांटा 5900-5950, डंकी चना 5200-5500, विशाल 5750-5850, काबुली चना 8800-9500, काबुली चना रशियन 5900-6200, बिटकी 5300-5400, मसूर 6050-6100, तुवर नई महाराष्ट्र सफेद 6750, महाराष्ट्र लाल 6790-7000, कर्नाटक 6900-7100, तुवर निमाड़ी 67, मूंग बेस्ट नया 7100-7250, एवरेज 6700-7000, मोगर 5600-6200, उड़द नया गर्मी 6500-7400, बेस्ट 7400-7600, मीडियम 6200-6500, हलका 3000-5000 रुपए, कंटेनर में डॉलर चना 42/44 108750, 44/46 10550, 50/52 9250, 58/60 8000, 60/62 7900 रुपए क्विंटल।

दालें– चना दाल 7300-7500 मीडियम 7700-7900 बेस्ट 8000-8100 मसूर दाल 7750-7850 बेस्ट 7950-8050 मूंग दाल 8400-8600 बेस्ट 8800-9000 मूंग मोगर 9400-9500 बेस्ट 9800-9900 तुवर दाल 7100-7300 मीडियम 8300-8500 बेस्ट 8800-8900 ए. बेस्ट 9900-10100, ब्रांडेड तुवर दाल नई 10600 उड़द दाल 8650-8750 बेस्ट 8850-9050 उड़द मोगर 9700-9900 बेस्ट 1 रुपए प्रति क्विंटल।

चावल– बासमती (921) 11000-12000, तिबार 9500-10500, बासमती दुबार पोनिया 8500-90500, मिनी दुबार 7500-8000, मोगरा 5000-7000, बासमती सेला 7000-9500, कालीमूंछ डिनर किंग 8500, राजभोग 7000, दुबराज 4500-5500, परमल 3500-3800, हंसा सेला 3600-3800, हंसा सफेद 3000-3200, पोहा 4800-5500 रुपए क्विंटल रहे।

कॉर्पोरेट समाचार

स्थानीय शेयर बाजार की हल्की बढ़त के साथ शुरुआत

मुंबई। वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच मंगलवार को भारतीय बेंचमार्क सूचकांक हरे निशान में खुले। शुरुआती कारोबार में ऑटो और आईटी सेक्टर में खरीदारी देखी गई। सेंसेक्स 188.66 अंक बढ़कर 83,795.12 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 54.80 अंक बढ़कर 25,571.85 पर कारोबार कर रहा था। विश्लेषकों के अनुसार अमेरिकी बाजार के नए रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के साथ, ग्लोबल इक्विटी बाजार का मूड सकारात्मक है और पश्चिम एशियाई भू-राजनीति अब वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए खतरा नहीं है। शुरुआती कारोबार में निफ्टी बैंक 51.95 अंक बढ़कर 57,364.70 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 146.45 अंक की बढ़त के साथ 59,887.65 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 52.50 अंक की बढ़त के साथ 19,127.60 पर था। वहीं सोमवार को 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 452.44 अंक गिरकर 83,606.46 अंक पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 120.75 अंक गिरकर 25,517.05 अंक पर बंद हुआ।

जून में टोयोटा किर्लोस्कर की बिक्री पांच फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की जून में बिक्री सालाना आधार पर पांच फीसदी बढ़कर 28,869 इकाई हो गई। वाहन विनिर्माता कंपनी ने जून 2024 में 27,474 वाहन बेचे थे। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने मंगलवार को बयान में कहा कि पिछले महीने घरेलू बिक्री 26,453 इकाई रही, जबकि निर्यात में 2,416 इकाई रहा। कंपनी के एक अधिकारी ने कहा कि हम बिक्री के बाद सेवा समर्थन पेशकशों और मूल्य-वर्धित पेशकशों के माध्यम से अपने ग्राहकों के साथ मजबूती से जुड़े हुए हैं। इनका मकसद हर कदम पर ग्राहकों के अनुभव को समृद्ध करना है।

बजाज ऑटो की बिक्री जून में बढ़कर 3,60,806 इकाई रही

नई दिल्ली। बजाज ऑटो की निर्यात सहित कुल बिक्री जून में सालाना आधार पर एक प्रतिशत बढ़कर 3,60,806 इकाई हो गई। पुणे स्थित मोटर वाहन विनिर्माण कंपनी ने जून 2024 में कुल 3,58,477 वाहनों की बिक्री दर्ज की थी। कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि वाणिज्यिक वाहनों सहित कुल घरेलू बिक्री पिछले महीने 13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,88,460 इकाई रही, जबकि जून 2024 में यह 2,16,451 इकाई रही थी। कंपनी ने कहा कि समीक्षाधीन महीने में निर्यात 21 प्रतिशत बढ़कर 1,72,346 वाहन हो गया, जबकि जून 2024 में यह 1,42,026 इकाई रहा था।

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
दैनिक अदित्य भारत
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, बुधवार, 02 जुलाई, 2025
www.adityabharat.com

1766 पुल-पुलियों की मरम्मत पर खर्च होंगे 4572 करोड़, 230 वृंदावन ग्राम बनेंगे

भोपाल में खुलेगा रक्षा विश्वविद्यालय का कैम्पस

संवाददाता ● भोपाल

गुजरात के गांधीनगर के रक्षा विश्वविद्यालय का कैम्पस भोपाल में खुलेगा। इसके लिए मोहन यादव सरकार ने आरजीपीवी कैम्पस में दस एकड़ जमीन इस विश्वविद्यालय के लिए देने का फैसला किया है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के जर्जर हो चुके 1766 पुलों की मरम्मत के लिए 4572 करोड़ रुपए की मंजूरी दी गई है। मोहन कैबिनेट ने आज वृंदावन ग्राम योजना का भी अनुमोदन कर दिया है जिसमें हर विधानसभा में एक वृंदावन ग्राम विकसित किए जाने का फैसला किया गया है। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कैबिनेट के निर्णयों की जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अंतर्गत बनाए गए पुलों और सड़कों के क्षतिग्रस्त होने के कारण आवागमन में दिक्कत होती है इसलिए सरकार ने सड़कों के सुधार और पुलों के मरम्मत के लिए निर्णय लिया है। मध्य प्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण के माध्यम से इन सड़कों और पुलों के सुधार का कार्य कराया जाएगा। कैबिनेट ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में बनी सड़कों के 1766 पुलों के निर्माण के लिए 4572 करोड़ रुपए की मंजूरी दी है।

बैठक

राष्ट्रीय रक्षा विविद्यालय खुलेगा भोपाल में

डिप्टी सीएम शुक्ल ने बताया कि राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय गांधीनगर का कैम्पस भोपाल के लिए स्वीकृत हुआ है। इसके लिए दस एकड़ जमीन आरजीपीवी कैम्पस में दी जाएगी। जब तक इनका अपना भवन नहीं बनेगा तब तक ये अपना काम करेंगे। जब रक्षा विश्वविद्यालय को अपना कैम्पस तैयार होगा तो वहां शिफ्ट हो जाएगा। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए रोजगार और कौशल के लिए एमपी के बच्चों को मौका मिलेगा। राज्य और राष्ट्र स्तर के मामले में मजबूती मिलेगी। हायर एजुकेशन के क्षेत्र में भी इससे प्रगति होगी।

कैबिनेट ने ये फैसले भी लिए

डिप्टी सीएम शुक्ल ने बताया कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के अंतर्गत सात साल और उससे अधिक सजा वाले अपराधों के लिए फोरेंसिक एक्सपर्ट की विजिट जरुरी होगी। इसे देखते हुए फोरेंसिक एक्सपर्ट के1266 नए पदों का सृजन करने को मंजूरी दी गई है। मऊगंज, मैहर, पांढुर्णा में अजा-अजजा के कार्यालय खोलने को मंजूरी दी गई है। जिलों में ओबीसी छात्रावासों में भोजनालय (मेस) खोलने को कैबिनेट ने मंजूरी दी है। इस पर 31 करोड़ रुपए खर्च आएगा। चार जुलाई को लैपटाप और साइकिलों का वितरण जिलों में किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा है कि इस दिन सभी प्रभारी मंत्री जिलों में रहेंगे।

एक बगिया मां के नाम योजना शुरू होगी

कैबिनेट बैठक के दौरान मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि राज्य सरकार 'एक बगिया मां के नाम' से नई योजना प्रारंभ करने जा रही है जिसमें स्व-सहायता समूह की 30 हजार महिलाओं को आजीविका संवर्धन के लिए 30 हजार एकड़ भूमि पर 30 लाख उद्यानिकी पौधों का रोपण कराएगी।

शॉर्ट न्यूज

10 साल की सजा सुनते ही कोर्ट से भागा आरोपी

भोपाल। भोपाल में हत्या की कोशिश के एक मामले में आरोपी आसिफ खान उर्फ टिंगू उर्फ अरमान को अदालत ने 10 साल की सजा सुनाई। जैसे ही न्यायाधीश नीलू संजीव श्रृंगीऋषि ने फैसला सुनाया, टिंगू कोर्ट से भाग गया। उसके साथी राजा खान को सबूत न होने की वजह से बरी कर दिया गया। टिंगू के फरार होते ही कोर्ट में अफरातफरी मच गई। कोर्ट के कर्मचारियों ने उसे आसपास ढूंढने की कोशिश की, लेकिन जब वह नहीं मिला तो एमपी नगर थाना में इसकी सूचना दी गई। न्यायाधीश ने आरोपी के खिलाफ नया केस दर्ज करने का आदेश दिया। सुबह करीब 4 बजे, फरियादी शाहरूख खान को भोपाल के कालीबाड़ी बरखेड़ा इलाके में टिंगू और उसके साथी राजा खान ने 1000 न देने पर चाकू और धारदार हथियार से सिर पर हमला कर दिया था। शाहरुख को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती किया गया।

512 करोड़ के घोटाले का मास्टरमाइंड पकड़ाया

जबलपुर। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) ने जबलपुर जिले में एक बड़े फर्जीवाड़े का पर्दाफाश करते हुए अब तक की जांच में 512 करोड़ की फर्जी इनवॉइस का और 130 करोड़ के फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) घोटाले का खुलासा किया है। इस हाईप्रोफाइल मामले में मास्टरमाइंड विनोद सहाय उर्फ एनके खरे को रांची (झारखंड) से गिरफ्तार कर ट्रांजिट रिमांड पर जबलपुर लाया गया है। विनोद सहाय मूलतः जबलपुर के ग्राम टिबरी का निवासी है और वर्ष 2009 से फर्जी पहचान, नकली नाम जैसे नीलू सोनकर, एनके खरे के सहारे दर्जनों फर्जी कंपनियों के जरिए एक संगठित GST घोटाला चला रहा था। EOW की जांच में सामने आया है कि आरोपी ने 23 से अधिक फर्जी कंपनियों का संचालन किया।

ग्वालियर ले जा रहे पीडीएस चावल से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली जब्त

दतिया। मध्य प्रदेश के दतिया जिले से आए दिन पीडीएस चावल की कालाबाजारी के मामले सामने आ रहे है। आज सोमवार को पीडीएस चावल से भरा ट्रैक्टर ट्रॉली जब्त किया गया है। फिलहाल, इस मामले में जांच पड़ताल शुरू कर दी गई है। यह मामला इंदरगढ़ का है। दरअसल, सेवड़ा एसडीएम अशोक अवस्थी को सूचना मिली थी कि पीडीएफ का चावल बाजार में बिकने जा रहा है। सूचना के आधार पर एसडीएम ने इंदरगढ़ तहसीलदार मनोज दिवाकर को चेकिंग करने को कहा और इस तरह मंडी गेट के सामने 163 बोरी चावल पकड़ा गया। जो कि 90 क्विंटल से ज्यादा था। इंदरगढ़ तहसीलदार मनोज दिवाकर ने चावल की बोरियां जब्त कर लिया है। पूछताछ में ड्राइवर ने बताया कि वह ये चावल भगुआपुरा से डबरा ले जा रहा था।

रेल यात्रियों की बढ़ी टेंशन! भोपाल स्टेशन पर घंटों देरी से पहुंच रही ट्रेनें

मानसून ने लगाया रफ्तार पर ब्रेक

संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश के रेल यात्रियों को बड़ा झटका लगा है। प्रदेश में भारी बारिश के चलते ट्रेनों की रफ्तार पर ब्रेक लग गया है। इसका सीधा असर भोपाल जाने वाली गाड़ियों पर पड़ा है। मिली जानकारी के मुताबिक, सोमवार को विभिन्न रूटों में भोपाल आने वाली कई ट्रेनें अपने निर्धारित समय में कई घंटे देरी से पहुंचने की संभावना है। इस वजह से यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बता दें कि रीवा-चर्लापल्ली एक्सप्रेस ट्रेन (01704) भोपाल स्टेशन पर सबसे ज्यादा 14 घंटे देरी से पहुंची। रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार, इन दिनों विभिन्न रेल मंडलों में नान इंटरलाकिंग का काम और बारिश के कारण ट्रैक मरम्मत चल रहा है। इसके चलते भोपाल की ओर आने वाली ट्रेनें समय पर नहीं पहुंच रही हैं, विशेष रूप से पंजाब, दिल्ली और मुंबई रूट से आने वाली ट्रेनें सबसे अधिक प्रभावित रहीं हैं।

परेशानी

टिकट भी मिलना मुश्किल

मिली जानकारी के मुताबिक, रेलवे की नई वेटिंग टिकट व्यवस्था लागू होने के बाद ग्वालियर स्टेशन से गुजरने वाली अधिकतर ट्रेनों में नो-रुम की स्थिति बन गई है। अब सिर्फ 100 सीटों पर 25 ही वेटिंग टिकट जारी किए जा रहे हैं, जिससे लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों को भारी दिक्कत हो रही है। मुंबई, चेन्नई, हैदराबाद, बेंगलुरु और जम्मू जैसी जगहों के लिए जाने वाली ट्रेनों में वेटिंग टिकट भी मिलना मुश्किल हो गया है। पहले जहां यात्री वेटिंग टिकट लेकर आगे की उम्मीद लगाए रखते थे, अब वैसा भी विकल्प नहीं बचा है।

प्रदेश के गाइड्स ने हैरिटेज वॉक में धरोहरों से जाना भोपाल का गौरवशाली इतिहास

भोपाल। मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड द्वारा आयोजित गाइड प्रशिक्षण कार्यशाला का मंगलवार को समापन हुआ। इस दो दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन सुबह हैरिटेज वॉक का आयोजन किया गया। इस वॉक में प्रदेश भर से आए गाइड्स ने धरोहरों से भोपाल के गौरवशाली इतिहास के बारे में जानकारी प्राप्त की। राजधानी की समृद्ध विरासत से परिचय कराने के उद्देश्य से यह वॉक प्रातः 7 बजे कमला पार्क से शुरू होकर गौहर महल, इकबाल मैदान और सदर मंजिल तक आयोजित की गई, जिसमें प्रदेश भर के 50 से अधिक गाइड्स सम्मिलित हुए। मिरांडा हाउस-भोपाल की इतिहासविद् मिस अरुणिका माथुर ने प्रतिभागियों को शहर की ऐतिहासिक धरोहर, स्थापत्य कला और गौरवशाली अतीत से परिचित कराया। इस अनूठे अनुभव ने गाइड्स को न केवल पर्यटन स्थलों की ऐतिहासिक जानकारी दी बल्कि यह भी सिखाया कि कैसे इन स्थलों को पर्यटकों के समक्ष प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया जा सकता है। हैरीटेज वॉक के बाद विशेषज्ञों द्वारा गाइड नीति, दिशा-निर्देश एवं लाभ, तकनीक व पर्यटन विपणन, पर्यटन की नवीनतम प्रवृत्तियां, आपातकालीन स्थितियों में गाइड की भूमिका व शिकायत प्रबंधन आदि विषय पर महत्वपूर्ण प्रशिक्षण दिया। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में कार्यरत लाइसेंसधारी राज्य स्तरीय एवं स्थानीय गाइड्स के प्रशिक्षण, कार्यकुशलता में वृद्धि एवं व्यवहारिक दक्षता को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा दो दिवसीय आवासीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

डीएनए टेस्ट के बाद हो सकता है बड़ा खुलासा

रेप आरोपी तहसीलदार ने कोर्ट में किया सरेंडर

6 महीने से चल रहा था फरार

संवाददाता ● ग्वालियर

जिले में रेप जैसे गंभीर मामले में आरोपी तत्कालीन तहसीलदार शत्रुघ्न सिंह चौहान ने सोमवार को नाटकीय ढंग से सरेंडर कर दिया। तहसीलदार के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। ग्वालियर एसपी ने तो पांच हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया था, लेकिन तहसीलदार ने अचानक से कोर्ट में सरेंडर किया तो हड़कंप मच गया। बीते छह महीनों से फरार चल रहा था। दरअसल, तहसीलदार शत्रुघ्न सिंह चौहान पर भिंड की रहने वाली एक महिला ने दुष्कर्म, यौन शोषण-धोखाधड़ी का गंभीर आरोप लगाया था। पीड़िता ने बयान में कहा था कि तहसीलदार ने उसे वर्षों तक अपने साथ रखा और उसका शारीरिक शोषण किया। महिला ने दावा किया था कि उसका एक बेटा भी है जो शत्रुघ्न सिंह चौहान का ही है। तहसीलदार ने महिला का एक बार गर्भपात भी कराया था। रेप के आरोप महिला थाने में मामला दर्ज होने के बाद वह फरार हो गया था। बताया जा रहा है कि आरोपी तहसीलदार के खिलाफ चार शादियां करने और लगातार यौन शोषण करने के आरोप भी लगाए गए हैं। आरोपी तहसीलदार फरारी के दौरान सेशन कोर्ट, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से राहत पाने की कोशिश करता रहा।

तलाश

डीएनए जांच के लिए लिया जाएगा सैंपल

शत्रुघ्न सिंह चौहान के वकील विष्णु सिंघल के मुताबिक कोर्ट ने आरोपी को दो दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा है। मंगलवार को उसकी जमानत याचिका पर सुनवाई होगी। उन्होंने यह भी बताया कि डीएनए जांच के लिए सैंपल लिया जाएगा। वकील ने यह भी तर्क दिया कि पीड़िता जिस बच्चे को तहसीलदार का बता रही है, पहले उसने उस बच्चे को लेकर एक अन्य व्यक्ति अमित यादव पर दुष्कर्म का आरोप लगाया था और उसे पति बताया था।

गर्लफ्रेंड की हत्या की, चादर में लपेटकर 3 दिन घर में रखी लाश

लिव इन में थे दोनों कपल

संवाददाता ● भोपाल

राजधानी भोपाल के बजरिया थाना क्षेत्र में गायत्री नगर, करारिया फार्म स्थित मकान नंबर 34 से एक दिल को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। यहां घरेलू विवाद में एक प्रेमी ने लिव इन में रह रही प्रेमिका को गला दबाकर मार दिया और चादर में लपेटकर घर में ही रख लिया। बताया जा रहा है कि वारदात के वक्त वह नशे की हालत में था। आरोपी ने अपने दोस्त को इस बात की जानकारी दी जिसके बाद पुलिस पहुंची और शव को बरामद किया। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक आरोपी सचिन राजपूत ने अपनी लिव-इन पार्टनर रितिका सेन की गला घोंटकर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि वारदात के वक्त वह नशे की हालत में था। आरोपी सचिन ने 3 दिन बीत जाने के बाद अपने दोस्त पूरी घटना के बारे में बताया।

हत्या

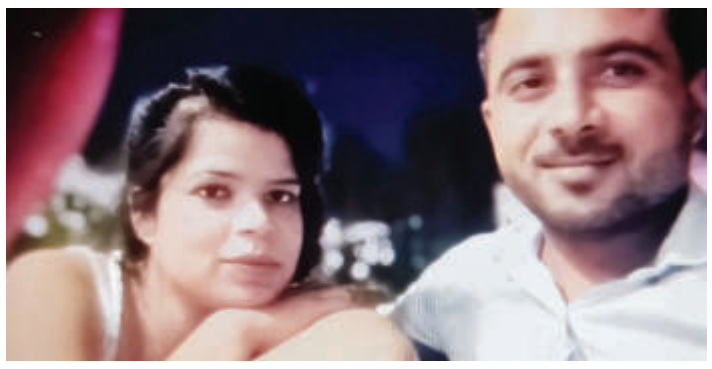

दोस्त ने पुलिस को सूचना दी जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने लिव इन पार्टनर रितिका सेन का शव बरामद किया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आरोपी ने रितिका की हत्या 28-29 जून की दरमियानी रात को की थी। हत्या के बाद आरोपी प्रेमी ने रितिका की लाश को चादर में लपेटकर कमरे में छोड़ दिया और मौके से फरार हो गया। नशा उतरने के बाद जब उसे होश आया, तो उसने यह खौफनाक करतूत अपने एक दोस्त को बताई। दोस्त ने मामले की गंभीरता को समझते हुए तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी सचिन राजपूत को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों पिछले कुछ समय से लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे थे। बजरिया थाना प्रभारी शिल्पा कौरव ने बताया कि सचिन और रितिका करीब साढ़े तीन साल से लिव इन में रह रहे थे। दोनों विदिशा जिले के सिरोंज के रहने वाले हैं। बजरिया क्षेत्र में अभी करीब 10 महीने से रह रहे थे। इनका आपस में किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसी विवाद के बाद सचिन ने रितिका का गला दबाकर मार दिया। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

प्रधानमंत्री मोदी के एक पेड़ मां के नाम अभियान से मिली प्रेरणा

"एक बगिया मां के नाम" योजना 15 अगस्त से होगी शुरू : सीएम

संवाददाता ● भोपाल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा स्वसहायता समूह की महिलाओं की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने के लिए पूरे देश में ज्ञान अभियान चलाया जा रहा है। पीएम मोदी के एक पेड़ मां के नाम अभियान से प्रेरित होकर प्रदेश में भी नई परियोजना शुरू की जाएगी। राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और कई महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन अवसर पर स्वसहायता समूह की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए बड़ी घोषणा की है। प्रदेश में मनरेगा के माध्यम से "एक बगिया माँ के नाम" परियोजना चलाई जाएगी। परियोजना के अंतर्गत मनरेगा के माध्यम से प्रदेश की 30 हजार से अधिक स्व सहायता समूह की पात्र महिलाओं की निजी भूमि पर 30 लाख से अधिक फलदार पौधे लगाएं जाएंगे जो महिलाओं की आर्थिक तरक्की का आधार बनेंगे। प्रदेश की स्व-सहायता समूह की 30 हजार से अधिक महिलाओं की 30 हजार एकड़ निजी भूमि पर "एक बगिया माँ के नाम" परियोजना के अंतर्गत पौधरोपण किया जाएगा।

लगभग 1000 करोड़ रुपए की लागत से आजीविका संवर्द्धन के लिए 30 लाख उद्यानिकी पौधों का रोपण कर फलोद्यान का विकास किया जाएगा।परियोजना के तहत हितग्राहियों को पौधे, खाद, गड्ढे खोदने के साथ ही पौधों की सुरक्षा के लिए कटीले तार की फेंसिंग और सिंचाई के लिए 50 हजार लीटर का जल कुंड बनाने के लिए राशि प्रदान की जाएगी। साथ ही उद्यान के विकास के लिए महिला हितग्राहियों को प्रशिक्षित भी किया जाएगा। "एक बगिया माँ के नाम" परियोजना अंतर्गत फलदार पौधारोपण का कार्य प्रदेश में 15 अगस्त से अभियान के रूप में शुरू होगा जो 15 सितंबर तक चलेगा।

अभियान

पौधरोपण की इच्छुक महिलाओं का होगा चयन

"एक बगिया मां के नाम" परियोजना के अंतर्गत आजीविका मिशन के स्व-सहायता समूह की ऐसी महिला सदस्य, जो फलदार पौधारोपण करने के लिए इच्छुक हों, का चयन किया जाएगा। चयनित महिला हितग्राही के नाम पर भूमि नहीं होने की दशा में उस महिला के पति-पिता-ससुर-पुत्र की भूमि पर उनकी सहमति के आधार पर पौधरोपण किया जाएगा।

अत्याधुनिक तकनीक से किया जाएगा स्थल चयन

"एक बगिया मां के नाम" परियोजना अंतर्गत पौधरोपण के लिए स्थल का चयन अत्याधुनिक तकनीक (सिपरी सॉफ्टवेयर) के माध्यम से किया जाएगा। स्थल चयन के लिए सिपरी सॉफ्टवेयर के माध्यम से चयनित हितग्राही की भूमि का परीक्षण किया जाएगा। साथ ही तकनीक के माध्यम से जलवायु, कौन सा फलदार पौधा जमीन के लिए उपयुक्त है, पौधा किस समय और कब लगाया जाएगा इसका भी सिपरी सॉफ्टवेयर के माध्यम से पता लगाया जाएगा। उपयोगी जमीन नहीं पाए जाने पर पौधरोपण का कार्य नहीं होगा।

'120 बहादुर' से धमाका करेंगे फरहान अख्तर, बहादुरी की अनकही दास्तान

एक्सेल एंटरटेनमेंट की 120 बहादुर भारतीय सेना के इतिहास की एक बेहद ताकतवर लेकिन भूली-बिसरी कहानी को बड़े पर्दे पर ला रही है। लद्दाख की बर्फीली वादियों में सेट ये फिल्म 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान रेजांग ला में डटे रहने वाले 13 कुमाऊं रेजिमेंट के 120 जवानों की कहानी है, जो चारों ओर से घिरे होने के बावजूद, पीछे हटे बिना मोर्चा संभाले रहे। इस कहानी के केंद्र में हैं पीवीसी मेजर शैतान सिंह भाटी, जो एक शांत लेकिन दृढ़ संकल्प वाला योद्धा, जिन्होंने ये जानते हुए भी अपने साथियों को जंग में उतारा कि हालात उनके खिलाफ हैं। 18 नवंबर 1962 को इन 120 सैनिकों ने हजार से ज़्यादा दुश्मन सैनिकों का सामना किया। उन्होंने हिम्मत, जज़्बे और ड्यूटी के लिए अपने अटूट समर्पण के साथ लड़ाई लड़ी। करीब तीन महीने बाद जब एक सर्च पार्टी वहाँ पहुंची, तब जाकर इन जवानों के शव मिले। लगभग सभी 120 सैनिक शहीद हो चुके थे, हाथों में राइफल थामे, अपनी पोज़िशन पर डटे हुए, दुश्मन की तरफ मुंह किए हुए। ये वो कहानी है जिसे भारतीय सेना हर साल याद करती है। हर नवंबर, चुशूल के पास स्थित रेज़ांग ला वॉर मेमोरियल पर इन वीर जवानों को सलामी दी जाती है। लेकिन सेना के दायरे से बाहर बहुत कम लोग इस दिन की गहराई और उस कुर्बानी को वाकई समझ पाते हैं, जो वहाँ दी गई थी। 120 बहादुर के ज़रिए अब वो खामोशी टूट रही है। ये सिर्फ जंग की कहानी नहीं, बल्कि एक अटूट जज़्बे, अनकही बहादुरी और ऐसी कुर्बानी की दास्तान है जिसे याद किया जाना ज़रूरी है। अब इन वीरों की ये बेमिसाल कहानी 120 बहादुर के ज़रिए ज़िंदा हो उठेगी, जिसमें फरहान अख्तर मेजर शैतान सिंह भाटी पीवीसी की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म का निर्देशन किया है रज़नीश 'रेज़ी' घई ने और इसे रितेश सिधवानी, फरहान अख्तर (एक्सल एंटरटेनमेंट) और अमित चंद्रा (ट्रिगर हैप्पी स्टूडियोज) ने प्रोड्यूस किया है।एक्सल एंटरटेनमेंट की 120 बहादुर सिनेमाघरों में 21 नवंबर 2025

सचिव जी को Kiss नहीं करना चाहती थीं पंचायत 4 की 'रिंकी', मेकर्स को बदलनी पड़ी स्क्रिप्ट

बीते 24 जून को भारत की सबसे एंटरटेनिंग वेब सीरीज पंचायत का सीजन 4 रिलीज किया गया है। जिसमें फुलेरा की पूरी काया पलट हो गई है। लेकिन इस सीजन की यूएसपी सचिव जी (जितेंद्र कुमार) और प्रधान जी की बेटी रिंकी (सांविका) की प्रेम कहानी रही। इस बीच अब खबर सामने आ रही है कि पंचायत 4 में रिंकी और सचिव जी के बीच एक किसिंग सीन दिखाया जाना था।

लेकिन सांविका इसमें असहज महसूस कर रही थीं और उन्होंने मेकर्स से ऐसा करने से साफ मना कर दिया। आइए मामले को थोड़ा और विस्तार से जानते हैं। पंचायत सीजन 4 में रिंकी और सचिव जी की प्रेम कहानी परवान चढ़ती हुई दिखी है। सीरीज में इन दोनों के बीच रोमांटिक सीन्स भी दिखाए गए हैं। इनकी ऑन स्क्रीन केमिस्ट्री को और भी रोमांस से भरपूर बनाने के लिए मेकर्स ने इसमें एक किसिंग सीन भी शामिल किया था, जिसको सांविका के कहने पर बदलना पड़ा। हाल ही में सांविका ने इस बात का खुलासा किया है और कहा है- इस सीजन के डायरेक्टर अक्षत ने मुझे इस बात की जानकारी दी थी कि इस बार हमनें पंचायत में एक किसिंग सीन डाला है, जो आपके और सचिव जी के बीच होगा। मैं इसमें कम्फर्टेबल नहीं थी और मैंने उनसे दो दिन का समय मांगा और सोच विचार करने के बाद मना कर दिया था। क्योंकि पंचायत एक फैमिली एंटरटेनर है और ऑडियंस का इस सीन को लेकर क्या रिएक्शन होता है, वो मुझे सोचने पर मजबूर कर रहा था। इसी कारण से मैं इसके लिए राजी नहीं हुई। बाद में मेकर्स को इस सीन में बदलाव करना पड़ा। हालांकि पंचायत सीजन 4 को देखने पर आपको पता लगेगा कि रिंकी और सचिव जी के बीच पानी की टंकी के ऊपर एक किसिंग सीन दिखाया गया है, लेकिन जब दोनों नजदीक आते हैं, तब स्क्रीन ब्लैक कर दी जाती है। जिसके तहत वह किसिंग सीन सिर्फ दिखावटी रहा है। जिस तरह ऑडियंस और क्रिटिक्स की तरफ से अमेजन प्राइम वीडियो की वेब सीरीज पंचायत सीजन 4 को रिस्पॉन्स मिला है, उससे ये साफ कहा जा सकता है कि पंचायत के नया सीजन भी सफल रहा है।

रश्मिका ने किया अपना डिजिटल डेब्यू, अब होगा सबसे बड़ा धमाका!

एक ऐसी स्टार जिससे आप अपनी नज़रें नहीं हटा सकते, रश्मिका मंदाना स्टोरीज़, स्नैप्स और स्पॉटलाइट की दुनिया में अपनी पूरी ऊर्जा, खुशी और प्रामाणिकता के साथ गोता लगा रही हैं, जिसके लिए हम उन्हें प्यार करते हैं। चाहे वह अपनी कार में नाच रही हों, फिल्म सेट से पर्दे के पीछे के पलों को शेयर कर रही हों, या बस अपने प्यारे से प्यार को शेयर कर रही हों, उम्मीद करें कि आपका स्नैप फीड बहुत ज़्यादा चमकीला हो जाएगा। 'मैं हमेशा से एक ऐसी जगह चाहती थी जहाँ मैं थोड़ी और कच्ची, थोड़ी और वास्तविक हो सकूँ - और अब, मैं यहाँ स्नैपचैट पर हूँ। पर्दे के पीछे के सभी पलों, छोटी-छोटी खुशियों, मजेदार चीज़ों और बीच की हर चीज़ को शेयर करने का समय आ गया है (मेरी सोशल मीडिया टीम के ऐसा करने से पहले भी)। अगर आप इसे देख रहे हैं, तो आपका बहुत-बहुत शुक्रिया, आप वाकई अब तक हर चीज़ का हिस्सा रहे हैं, और मैं आपको और भी ज़्यादा देखने के लिए बेताब हूँ। मैं जल्द ही आपसे मिलूँगी, मेरे प्यारे,' रश्मिका मंदाना ने कहा। चाहे साउथ हो या फिर हिंदी फिल्म इंडस्ट्री उनका अंदाज काफी अलग होता है। अक्सर देखा जाता है कि वो किसी भी फिल्म का हिस्सा बनती हैं तो धमाका ही करती हैं। हाल ही में उनकी फिल्म पुष्पा 2 रिलीज हुई थी और इसने रिलीज होकर बवाल काट दिया था।

23 साल पहले आई सुपरहिट हारर मूवी जिसे देख दहल गया था देश

रियल हॉन्टेड प्लेस पर हुई थी शूटिंग

साल 2002 की बात है, बॉलीवुड में कई फिल्में रिलीज के लिए कतार में थीं। एक्शन से लेकर रोमांस तक... सिनेमाघरों में एंटरटेनमेंट का फुल डोज था। इसी साल एक ऐसी फिल्म भी रिलीज हुई जिसने दर्शकों का मनोरंजन करने के साथ-साथ उनकी रूह भी कंपाई और कुछ सीन्स ने तो उनकी चीख भी निकाल दी। यह फिल्म थी 23 साल पहले रिलीज हुई राज। विक्रम भट्ट के निर्देशन में बनी 2 घंटे 32 मिनट की राज में बिपाशा बसु, डीनो मोरिया, मालिनी शर्मा, आशुतोष राणा और विश्वजीत प्रधान जैसे कलाकारों ने अहम भूमिका निभाई थी। फिल्म की कहानी संजना (बिपाशा) और आदित्य (डीनो) की है जो अपनी शादी बचाने के लिए वेकेशन पर ऊटी जाते हैं और वहां संजना का सामना आदित्य के अतीत से होता है। फिल्म के सीन्स इतने डरावने थे कि कोई भी देखकर डर जाए। मगर क्या आपको पता है कि इस फिल्म ने सिर्फ दर्शकों नहीं बल्कि स्टार कास्ट को भी डरा दिया था वो भी रियल लाइफ में। जी हां, फिल्म की शूटिंग के दौरान सेट पर ऐसी-ऐसी घटनाएं घटीं कि स्टार कास्ट घबरा गया था। राज की शूटिंग ऊटी के फेर्नहिल होटल, पाइन फोरेस्ट और लॉरेंस स्कूल में हुई थी। एक बार बिपाशा बसु ने राज के सेट से जुड़ी असली में घटित डरावनी बातें बताई थीं।बिपाशा बसु ने बताया था कि एक बार टीम को फर्नीचर खिसकने की आवाज आई थी, जबकि होटल के ऊपर कोई और फ्लोर ही नहीं था। यह जानकर एक्ट्रेस कांप गई थी। बिपाशा ने सेट का एक और डरावना किस्सा रिवील किया था। उन्होंने बताया था कि वह एक जगह सीन शूट कर रही थीं, जहां बार-बार उन्हें रीटेक लेना पड़ रहा था। बिपाशा ने कहा था- बिपाशा बसु ने बताया कि एक बार डॉ. अंबेडकर की तस्वीर फिसल गई थी। यह मोमेंट कैमरे में कैद हो गया था।

जुड़वा बच्चों पर एक ट्रोल का ताना सुन टूट गया था करण जौहर का दिल

बॉलीवुड के मशहूर निर्माता और डायरेक्टर करण जौहर किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। वह कई रियलिटी शोज के लिए भी चर्चा में रहते हैं। इन दिनों उनके शो द ट्रेटर्स की खूब चर्चा चल रही है। इसके अलावा, फैंस उनके पॉपुलर चैट शो कॉफी विद करण के नए सीजन का इंतजार कर रहे हैं। उनके प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बनी कई फिल्में भी इस साल रिलीज हो चुकी हैं। इस बीच फिल्म निर्माता का एक बयान चर्चा में आ गया है, जिसमें उन्होंने बताया कि वह एक ट्रोलर्स की टिप्पणी से किस हद तक प्रभावित हो गए थे। करण जौहर ने एक ऐसे पल के बारे में चर्चा कि जब ट्रोल ने उनके बच्चों के बारे में खराब टिप्पणी की थी, जिसके बाद करण अपने आंसू नहीं रोक पाए थे। मोजो स्टोरी को दिए लेटेस्ट इंटरव्यू में करण ने बताया कि कैसे एक यूजर की टिप्पणी ने उन्हें सिंगल पैरेंट के तौर पर बच्चों की परवरिश करने के फैसले पर सोचने पर मजबूर कर दिया था। करण के बारे में बता दें कि उन्होंने साल 2017 में सरोगेसी के जरिए पिता बनने का फैसला किया। इस बारे में उन्होंने कहा, एक कमेंट में मुझे कहा गया कि क्या आपको पता है कि आपने बच्चों को मां से वंचित रखा है।

रिया चक्रवर्ती ने बेल मिलने पर नागिन डांस किया

एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती के लिए बीते 5 साल काफी मुश्किलों भरे रहे। सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में लोगों ने उन्हें दोषी ठहराया। आरोपों के चलते वह 27 दिन जेल में भी रहीं। बाहर उन्हें और उनके परिवार को ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा, जिसका असर एक्ट्रेस की प्रोफेशनल लाइफ पर पड़ा, उनके हाथ से कई प्रोजेक्ट छूट गए। इतना ही नहीं, सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस को खूब ट्रोल किया गया। लोगों ने डायन, कातिल और जादूगरनी कहा। चुड़ैल, विषकन्या, ड्रग पेडलर जैसे नामों से भी बुलाया गया। हालांकि सीबीआई ने 22 मार्च 2025 को अपनी क्लोजर रिपोर्ट में रिया और उनके परिवार को क्लीन चिट दे दी, लेकिन बीते दिनों को याद करके रिया काफी भावुक हो जाती हैं। एक्ट्रेस कहती हैं कि जब हम उस ट्रेजडी से गुजरे तो हमारे साथ भाई का भी करियर खत्म हो गया। हालांकि अब रिया अपने अतीत को भुलाकर एक नई जिंदगी की शुरुआत कर चुकी हैं।

'दिव्य प्रेम : प्यार और रहस्य की कहानी' की मेघा रे ने महादेव के समक्ष किया तांडव

'यह परफॉर्मेंस नहीं, आध्यात्मिक अनुभव था'

आप भले ही आध्यात्मिक हों या न हों लेकिन कुछ पल ऐसे होते हैं जब भगवान खुद अपनी उपस्थिति का एहसास दिला देते हैं। सन नियो के नए शो 'दिव्य प्रेमः प्यार और रहस्य की कहानी' शो में दिव्या की भूमिका निभा रहीं अभिनेत्री मेघा रे के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ। उन्होंने महादेव के सामने तांडव करने का अनुभव साझा करते हुए बताया कि यह उनके लिए सिर्फ एक अभिनय नहीं बल्कि एक गहरा आध्यात्मिक अनुभव भी था। मेघा रे ने कहा,'शो के पहले ही दिन मुझे एक मंदिर में महादेव के सामने तांडव करने का मौका मिला। जब मुझे यह पता चला, तो मैं बेहद खुश हो गई। मुझे अपने बचपन की एक इच्छा याद आ गई जब मैंने हमेशा चाहा था कि कभी महादेव के सामने नृत्य करूं। नृत्य मेरे आत्मा से जुड़ा है और महादेव स्वयं नटराज हैं। ऐसे में यह सब मुझे किसी दिव्य संकेत की तरह महसूस हुआ।" वो आगे कहती हैं,'इस शो के साथ कुछ न कुछ ऐसा हो रहा है जो मुझे बार-बार संकेत देता है। मैं पहले इन बातों पर विश्वास नहीं करती थी, लेकिन अब लगता है कि जिंदगी कभी-कभी आपको ऐसे अनुभव देती है जो आपके पुराने बातों की याद दिला देती है। महादेव के सामने नृत्य करना मेरे लिए वैसा ही एक क्षण था।"

जब उनसे उस अनुभव के बारे में पूछा गया तो उन्होंने भावुक होकर कहा,'जब मैं नृत्य कर रही थी, तब मुझे कैमरे का होश ही नहीं था। ऐसा लग रहा था जैसे मैं किसी और ही दुनिया में चली गई हूं। मैं अभिनय नहीं कर रही थी, मैं कुछ महसूस कर रही थी जैसे कोई आध्यात्मिक अनुभूति। सच कहूं तो, यह पल इस शो के शुरुआत की सबसे खूबसूरत याद है । आज भी जब उस पल को याद करती हूं तो रौंगटे खड़े हो जाते हैं।"

'दिव्य प्रेमः प्यार और रहस्य की कहानी' उज्जैन की एक लड़की दिव्या की जादुई यात्रा को दर्शाता है, जिसकी ज़िंदगी प्रेम से मिलने के बाद पूरी तरह बदल जाती है। जैसे-जैसे दोनों का प्यार गहराता है, उनके अतीत के रहस्य धीरे-धीरे सामने आने लगते हैं।इस शो में मेघा रे के साथ सूरज प्रताप सिंह और कविता बनर्जी भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह धारावाहिक हर रात 8:30 बजे, केवल सन नियो पर प्रसारित होता है।

3 खिलाड़ी जिनको खिलाना बर्मिंघम में पड़ सकता है भारी, कहीं भारत को मैच न हरवा दें

एजेंसी ● नई दिल्ली

नई दिल्लीः बर्मिंघम के एजबेस्टन में भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच खेला जाएगा। लीड्स में खेले गए पहले मैच में भारत को हार का सामना करना पड़ा था। अब दूसरे टेस्ट में टीम इंडिया कमबैक करने को देखेगी। हालांकि, टेस्ट में भारत एजबेस्टन में अब तक इंग्लैंड से एक भी मैच नहीं जीता है। वहीं अब हम आपको बताने जा रहे हैं उन 3 खिलाड़ियों के बारे में, जिनको खिलाकर कहीं भारत गलती न कर दे।पहले टेस्ट में प्रसिद्ध कृष्णा का प्रदर्शन काफी साधारण रहा था। पहली पारी में उन्होंने 6.40 की खराब इकॉनमी से 128 रन देकर 3 विकेट लिए तो दूसरी पारी में 6.13 की इकॉनमी से 92 रन देकर सिर्फ 2 विकेट लिए। वह काफी महंगे साबित हुए। एजबेस्टन में भारत उनकी जगह आकाशदीप को मौका दे सकती है।

लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट में ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने भी अपने प्रदर्शन से सबको निराश किया था। पूरे मैच में उन्होंने सिर्फ 2 विकेट लिए थे और रन भी लुटाए थे। दूसरे टेस्ट में भारत उनकी जगह कुलदीप यादव या वॉशिंगटन सुंदर को मौका दे सकता है।हेडिंग्ले टेस्ट में टीम इंडिया में लंबे समय बाद वापसी कर रहे करुण नायर का भी बल्ला खामोश रहा। पहली पारी में डक पर तो दूसरी पारी में वह महज 20 रन बनाकर आउट हो गए थे। हालांकि, नायर अपनी पसंदीदा बैटिंग पॉजिशन पर बल्लेबाजी नहीं कर रहे हैं। उनको टॉप ऑर्डर में बैटिंग करना पसंद है। लेकिन, वह पहले टेस्ट में छठे नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे थे। ऐसे में टीम प्रबंधन को अगर नायर से छठे नंबर पर ही बल्लेबाजी करानी है तो उनकी जगह वह ध्रुव जुरेल को मौका दे सकते हैं। जुरेल लोवर ऑर्डर में अच्छा योगदान दे सकते हैं।

291 रन का टारगेट देकर भी हारा भारत, इंग्लैंड ने आखिरी ओवर में दर्ज की जीत, रोमांच की सारी हदें पार

एजेंसी ● नॉर्थेम्पटन

अंडर 19 भारत और अंडर 19 इंग्लैंड के बीच नॉर्थेम्पटन में खेले गए दूसरे यूथ वनडे में इंग्लैंड ने बाजी मार ली। हालांकि, यह मैच काफी ज्यादा रोमांचक रहा। आखिरी ओवर तक नहीं पता था कि कौनसी टीम मैच जीतने वाली है। लेकिन, अंत में मेजबानों ने 1 विकेट से मैच को अपने नाम कर लिया। पहले वनडे में भारत ने इंग्लैंड को हराया था। दूसके वनडे में आखिर क्या-क्या हुआ, आइये आपको विस्तार से बताते हैं।

भारत ने दिया था 291 रन का टारगेट

इंग्लैंड अंडर 19 टीम के कप्तान थॉमस रियू ने टॉस जीतकर भारतीय अंडर 19 को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। भारतीय टीम पूरे 50 ओवर नहीं खेल पाई। 49 ओवर में भारत 290 रन बनाकर ऑल आउट हो गया। वैभव सूर्यवंशी का बल्ला दूसरे वनडे में भी चला। उन्होंने 45 रन बनाए। वहीं सर्वाधिक 49 रन भारत के लिए विहान मल्होत्रा ने बनाए।लोवर ऑर्डर में राहुल कुमार (47), कनिष्क चौहान (45) और अभिग्यान कुंदु (32) ने कुछ अच्छी पारियां खेली और इंग्लैंड के लिए एक चुनौतीपूर्ण लक्ष्य खड़ा किया।इंग्लैंड की तरफ से सबसे सफल गेंदबाज एलेक्स फ्रेंच रहे, जिन्होंने 4 विकेट लिए। इसके अलावा जैक होम और एलेक्स ग्रीन को भी 3-3 विकेट मिले।291 रन का टारगेट इंग्लैंड ने सिर्फ 1 विकेट और 3 गेंद रहते चेज किया। इंग्लैंड को आखिरी ओवर में जीत के लिए 7 रन चाहिए थे। मेजबानों ने 3 बॉल में मैच को फिनिश कर दिया। इंग्लैंड के लिए थॉमस रियू ने कप्तानी पारी खेली। उन्होंने 89 गेंदों में 6 छक्के और 16 चौकों की मदद से 131 रन बनाए। इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर एंड्रयू फ्लिंटॉफ के बेटे रॉकी फ्लिंटॉफ ने भी 39 रन बनाए। भारत के लिए सबसे सफल गेंदबाज आरएस अंबरिश रहे, जिन्होंने 4 विकेट लिए। 2-2 विकेट हेनिल पटेल और युधजीत गुहा को भी मिले। 1 विकेट कनिष्क चौहान ने भी झटका।

नॉर्थम्प्टन के काउंटी ग्राउंड में एक रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड अंडर-19 ने भारत अंडर-19 को एक विकेट से हराकर पांच मैचों की युवा एकदिवसीय श्रृंखला 1-1 से बराबर कर ली है। इंग्लैंड ने भारत के 290 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 49.3 ओवर में 9 विकेट खोकर 291 रन बनाए और तीन गेंद शेष रहते जीत हासिल की। पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 49 ओवर में 290 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। वैभव सूर्यवंशी (45), विहान मल्होत्रा (49), राहुल कुमार (47), कनिष्क चौहान (45) और अभिज्ञान कुंडू (32) ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। इससे पहले, भारत के कप्तान आयुष म्हात्रे पारी की पहली ही गेंद पर शून्य पर आउट हो गए थे।

जवाब में इंग्लैंड की पारी को कप्तान थॉमस रेव के शानदार शतक (131 रन) ने संभाला। रेव की शानदार पारी के बावजूद इंग्लैंड ने बल्लेबाजी में गिरावट देखी और 46वें ओवर तक 254 रन पर 8 विकेट खो दिए थे। भारतीय गेंदबाजों में मध्यम गति के गेंदबाज आरएस अमरीश ने 80 रन देकर चार विकेट लिए, जिससे भारत की जीत की उम्मीदें फिर से जाग उठीं।हालांकि, इंग्लैंड की आखिरी जोड़ी सेबेस्टियन मॉर्गन (20 रन नाबाद) और एलेक्स फ्रेंच (3 रन नाबाद) ने शांत रहते हुए इंग्लैंड को एक नाटकीय जीत दिलाई। अंतिम ओवर में सात रनों की आवश्यकता थी, मॉर्गन ने युधाजित गुहा द्वारा फेंकी गई तीसरी गेंद पर एक महत्वपूर्ण चौका लगाकर इंग्लैंड को रोमांचक जीत दिलाई।

साउथ अफ्रीका के हाथ में बुलवायो टेस्ट, दिया 537 रन का टारगेट, जिम्बाब्वे को शर्मसार होने से कौन रोकेगा?

एजेंसी ● बुलवायो

2 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए साउथ अफ्रीका जिम्बाब्वे का दौरा कर रही है। 28 जून से बुलवायो में दोनों टीमों के बीच पहला टेस्ट मैच खेला जा रहा है। तीसरे दिन का खेल खत्म हो गया है और दूसरी पारी में जिम्बाब्वे का स्कोर 1 विकेट पर 32 रन है। साउथ अफ्रीका ने मेजबान टीम के सामने 537 रन का विशाल लक्ष्य रखा है, जिसको चेज करना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन लग रहा है। जिम्बाब्वे जब चौथे दिन का खेल शुरू करेगी तो उनको जीत के लिए 505 रन की जरूरत होगी।

दूसरी पारी में 369 रन बनाकर ऑल आउट हुई साउथ अफ्रीका

दूसरी पारी में साउथ अफ्रीका के लिए वियान मुल्डर ने तीसरे नंबर पर आकर जबरदस्त बल्लेबाजी की है और शानदार शतक ठोका है। मुल्डर ने 206 गेंदों का सामना कर 17 चौके और 2 छक्कों की मदद से 147 रन बनाए हैं। मुल्डर के अलावा कप्तान केशव महाराज ने भी अर्धशतक (51) ठोका। इसके अलावा काइल वेरेनन और कॉर्बिन बॉश ने 36-36 रन की पारी खेली। वहीं टोनी डी जोर्जी ने भी 31 रन बनाए। जिम्बाब्वे की तरफ से वेलिंग्टन मसाकड्जा 4 विकेट लेकर सबसे सफल गेंदबाज रहे।साउथ अफ्रीका के कप्तान केशव महाराज ने बुलवायो में टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया। ऐसे में साउथ अफ्रीका ने लुहान ड्रे प्रिटोरियस के शतक (153) और कॉर्बिन बॉश (100) के शतक के चलते 9 विकेट पर 418 रन बनाकर अपनी पारी को घोषित कर दिया था। पहली पारी में जिम्बाब्वे के लिए सर्वाधिक 4 विकेट तनाका चिवांगा ने लिए थे।इसके बाद पहली पारी में जिम्बाब्वे 251 रन बनाकर ऑल आउट हो गई और साउथ अफ्रीका को 167 रन की लीड मिल गई। मेजबान टीम के लिए पहली पारी में सीन विलियम्स ने शतक लगाया था। उन्होंने 137 रन बनाए थे। साउथ अफ्रीका के लिए सबसे ज्यादा 4 विकेट वियान मुल्डर ने लिए थे।

5 साल बाद फिर आमने-सामने होंगे ये दो दिग्गज रेसलर

एजेंसी ● नई दिल्ली

डब्ल्यूडब्ल्यूई के 14 बार के वर्ल्ड चैंपियन रैंडी ऑर्टन के भविष्य को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। हाल ही में रैंडी ऑर्टन का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है। उन्हें बैकलैश 2025 में हहए चैंपियन जॉन सीना से अपने होमटाउन सेंट लुइस, मिसौरी में हार का सामना करना पड़ा।

इसके बाद सऊदी अरब में हुए 24वें किंग ऑफ द रिंग के फाइनल में उन्हें अपने पूर्व शिष्य कोडी रोड्स से हार मिली। लेकिन अब द एपेक्स प्रीडेटर के पास वापसी का सुनहरा मौका है। वह लंबे समय से अपने प्रतिद्वंद्वी रहे ड्रू मैकइंटायर से मुकाबला करेंगे, जिन्होंने अभी वापसी की है।रैंडी ऑर्टन और ड्रू मैकइंटायर का मुकाबला 12 जुलाई को अटलांटा, जॉर्जिया में सैटरडे नाइट्स मेन इवेंट में होगा। हहए स्मैकडाउन की शुरूआत में रैंडी ऑर्टन ने ड्रू मैकइंटायर को एक जोरदार फ्छड दिया। रैंडी ऑर्टन और ड्रू मैकइंटायर के बीच सैटरडे नाइट्स मेन इवेंट का मैच तब हुआ जब मैकइंटायर ने रैंडी ऑर्टन और कोडी रोड्स के सम्मान समारोह में खलल डालने की कोशिश की। ड्रू मैकइंटायर ने लेगेसी के पूर्व सदस्यों को आपस में लड़ाने की कोशिश की, लेकिन रैंडी ऑर्टन ने उन्हें फ्छड दिया।ऑर्टन और मैकइंटायर के बीच दुश्मनी समरस्लैम 2020 में शुरू हुई थी।

उस समय मैकइंटायर ने ऑर्टन को हराकर हहए चैंपियनशिप बरकरार रखी थी। लगभग पांच साल और कुछ मैचों के बाद दोनों एक बार फिर आमने-सामने होंगे। यह मैच दोनों के लिए अपनी अगली वर्ल्ड टाइटल जीतने की कोशिश में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। यह देखना दिलचस्प होगा कि 12 जुलाई को अटलांटा में होने वाले साप्ताहिक सैटरडे शो में कौन जीतेगा।

भारत को मिली नई 'बंदूकबाज' खिलाड़ी, ओलंपिक मेडलिस्ट मनु भाकर भी उनके सामने नहीं टिक पाईं

एजेंसी ● देहरादून

सुरुचि इंदर सिंह ने रविवार को ग्रुप ए निशानेबाजों के लिए राष्ट्रीय चयन ट्रायल में महिलाओं की 10 मीटर पिस्टल स्पर्धा में ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर को पछाड़-कर जीत हासिल की, जबकि नौसेना के निशानेबाज नीरज कुमार ने 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन पुरुष स्पर्धा में चमकदार प्रदर्शन किया। सितारों से सजे फाइनल में सुरुचि ने 245.6 का स्कोर बनाया जो मनु भाकर से 1.1 अंक बेहतर था। मनु भाकर के लिए यह हार काफी निराशाजनक था।

भाकर ने 244.5 का स्कोर बनाकर दूसरा स्थान हासिल किया जबकि अनुभवी राही सरनोबत 223.1 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। दिन के पहले फाइनल में सम्राट राणा ने 10 मीटर एयर पिस्टल पुरुष स्पर्धा में अंतिम शॉट में 10.5 के स्कोर के साथ पहला स्थान हासिल किया जबकि सौरभ केवल 9.6 का स्कोर ही बना सके।सम्राट ने 241.7 का स्कोर बनाया जबकि सौरभ ने 241.5 के कुल स्कोर के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। आदित्य मालरा 217.8 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहे। नीरज कुमार ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पी फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार दो ट्रायल जीते। नौसेना के इस जवान ने 463 अंक बनाए जो ऐश्वर्या प्रताप सिंह तोमर से दो अंक बेहतर थे।विश्व चैंपियनशिप के पदक विजेता अखिल श्योराण 448.8 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहे जबकि पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता स्वप्निल सुरेश कुसाले 438.4 के साथ चौथे स्थान पर रहे। ट्रायल सोमवार को समाप्त होंगे।

इंग्लैंड के जेम्स मैकएटी ने स्लोवाकिया के ब्राटिस्लावा में नेशनल फुटबॉल स्टेडियम में इंग्लैंड और जर्मनी के बीच यूरोपीय अंडर-21 चैम्पियनशिप के फाइनल फुटबॉल मैच में जीत हासिल कर ट्रॉफी उठाई।

दानिल मेदवेदेव हुए उलटफेर का शिकार, विंबलडन चैंपियन ओन्स जाबूर भीषण गर्मी के चलते मैच से हुई बाहर

एजेंसी ● लंदन

नौवीं वरीयता प्राप्त दानिल मेदवेदेव सोमवार को विंबलडन के शुरूआती दौर में 64वीं रैंकिंग वाले बेंजामिन बोंजी से 7-6 (2), 3-6, 7-6 (3), 6-2 से हार के साथ उलटफेर का शिकार बने। पिछले साल विंबलडन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले मेदवेदेव लगातार दूसरे ग्रैंड स्लैम के पहले दौर से बाहर हो गए हैं। रूस का यह खिलाड़ी इससे पहले फ्रेंच ओपन में भी पहले दौर से बाहर हो गया था। उन्हें साल के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियाई ओपन में दूसरे दौर में शिकस्त का सामना करना पड़ा था। मेदवेदेव इससे पहले 2017 में लगातार दो ग्रैंड स्लैम के शुरूआती दौर में हारे थे। वह उस साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन और फ्रेंच ओपन के पहले दौर में हार के साथ टूनार्मेंट से बाहर हुए थे। मेदवेदेव इस साल पेरिस में कैमरून नॉरी से पांच सेट के मैच में हार गये थे। वह 2023 में फ्रेंच ओपन की पहली बाधा पार करने में नाकाम रहे थे । उस समय दूसरी वरीयता प्राप्त मेदवेदेव को

पहले दौर में क्वालीफायर थियागो सेबॉथ वाइल्ड ने हराया था। वाइल्ड की उस समय विश्व रैंकिंग 172 थी।

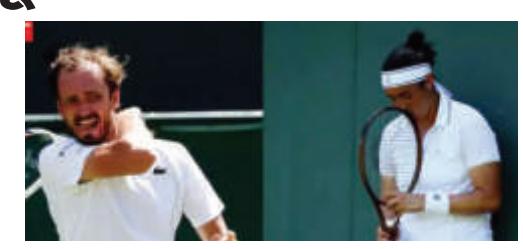

ओन्स जाबूर गर्मी के कारण पहले दौर से हुई बाहर, बीच में छोड़ा मैच

दो बार की विंबलडन फाइनलिस्ट ओन्स जाबूर को इस साल के टूनार्मेंट के पहले ही मैच से बाहर होना पड़ा। भीषण गर्मी के कारण उन्हें मैच बीच में ही छोड़ना पड़ा, जिससे उनका यह मुश्किल भरा सीजन और भी दर्दनाक हो गया। 30 साल की ट्यूनीशियाई खिलाड़ी, जो कभी दुनिया की नंबर 2 खिलाड़ी रह चुकी हैं, उन्होंने बुल्गारिया की विक्टोरिया टोमोवा के खिलाफ अपना मैच तब छोड़ दिया जब वह 7-6 (7-5), 2-0 से पीछे चल रही थीं। यह मैच विंबलडन के ग्रास कोर्ट पर भीषण गर्मी में खेला जा रहा था।मैच के पहले सेट के बीच में ही जाबूर की परेशानी बढ़ गई। 3-2 के स्कोर पर उन्होंने 14 मिनट का लंबा मेडिकल टाइमआउट लिया। वह काफी परेशान दिख रही थीं, उन्होंने अपना सिर तौलिए में छिपा लिया, खुद को आइस पैक से ढंक लिया और पानी पीती रहीं, जबकि मेडिकल स्टाफ उनकी देखरेख कर रहा था। एक फिजियो ने उनका ब्लड प्रेशर भी चेक किया।मेडिकल टाइमआउट के बाद वह कोर्ट पर लौटीं, लेकिन बढ़ती गर्मी और उमस भरे माहौल में वह कभी सहज नहीं दिखीं। तापमान लगभग 30त्उ (86त्र्) के करीब पहुंच रहा था। उनकी चाल-ढाल में दिक्कत दिख रही थी और उनकी ऊर्जा भी कम लग रही थी। आखिरकार, उन्होंने दूसरे सेट की शुरूआत में ही मैच से हटने का फैसला किया, जिससे टोमोवा दूसरे दौर में पहुंच गईं।

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
दैनिक अदित्य भारत
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, बुधवार, 02 जुलाई, 2025
www.adityabharat.com

रोम के संरक्षक संत पीटर और पॉल के पर्व के उपलक्ष्य में कास्टेल संत एंजेलो पर आतिशबाजी की गई।

शॉर्ट न्यूज

मेयर प्रत्याशी ममदानी ने हाथ से खाना खाया

वॉशिंगटन डीसी। न्यूयॉर्क से मेयर पद के उम्मीदवार भारतीय मूल के जोहरान ममदानी का हाथ से चावल खाते हुए एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसे लेकर एक अमेरिकी सांसद ने नाराजगी जताई है। अमेरिकी रिपब्लिकन सांसद ब्रैंडन गिल ने एक्स पर लिखा, "अमेरिका में सभ्य लोग इस तरह से खाना नहीं खाते हैं। अगर आप पश्चिमी तौर-तरीके नहीं अपना सकते, तो अपने पिछड़े देश वापस चले जाइए।" ममदानी वीडियो में फिलिस्तीनी मुद्दे पर बात कर रहे थे। उन्होंने कहा- जब आप किसी थर्ड वर्ल्ड में पले-बढ़े होते हैं तो आप फिलिस्तीनी संघर्ष को बेहतर तरीके से समझते हैं। जोहरान ममदानी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद इस पर बहस शुरू हो गई है। न्यूयॉर्क के सांसद ब्रैंडन गिल ने इस वीडियो पर जो टिप्पणी की, उसे लेकर कई लोगों ने नाराजगी जताई और उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल करना शुरू कर दिया। एक यूजर ने तंज कसते हुए पूछा, 'क्या आप एशियाई रेस्टोरेंट में चॉपस्टिक से खाने पर भी नाराज होते हैं।

शरणार्थियों को लौटने का समय देगा पाक

इस्लामाबाद। पाकिस्तान सरकार देश में रह रहे 14 लाख अफगान शरणार्थियों को वापस भेजने की समय-सीमा बढ़ाने पर विचार कर रही है। यह फैसला उन शरणार्थियों के लिए राहत भरा हो सकता है जिन्हें 30 जून तक अफगानिस्तान लौटने का आदेश दिया गया था। सरकारी और सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि इस पर अंतिम निर्णय आज होने वाली कैबिनेट बैठक में लिया जा सकता है। अफगान नागरिकों को पाकिस्तान में अपने निजी मामलों जैसे संपत्ति की बिक्री या व्यापार समेटनेके लिए समय मिल सकेगा, ताकि वे आसानी से अफगानिस्तान लौट सकें। एक सीनियर अधिकारी के मुताबिक पिछले सप्ताह ही विस्तार प्रस्ताव को कैबिनेट एजेंडे के लिए भेजा गया है। हालांकि, इस पर गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय की तरफ से कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं आई है।

30 जून के बाद से टैक्स लगाने वाली थी कनाडा सरकार

अमेरिकी कंपनियों पर अब टैक्स नहीं लगाएगा कनाडा

वॉशिंगटन डीसी ● एजेंसी

कनाडा ने अमेरिकी टेक्नोलॉजी कंपनियों पर डिजिटल सर्विस टैक्स (DST) लगाने का अपना फैसला वापस ले लिया है। कनाडाई सरकार 30 जून से अमेरिकी कंपनियों पर डिजिटल सर्विस टैक्स लगाने वाली थी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने रविवार को एक बयान में कहा कि वह और ट्रम्प अब व्यापार वार्ता फिर से शुरू करने पर राजी हो गए हैं। कनाडाई वित्त मंत्रालय के मुताबिक, कार्नी और ट्रम्प के बीच 21 जुलाई तक व्यापार समझौते पर फिर से बातचीत शुरू हो सकती है। ट्रम्प ने 27 जून को कनाडा को धमकी दी थी कि अगर उसने अमेरिकी कंपनियों पर टैक्स लगाया, तो वे कनाडा पर जल्द नया टैरिफ लगा देंगे। ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर कहा, 'हम कनाडा को अगले 7 दिनों में बता देंगे कि उसे अमेरिका के साथ बिजनेस करने के लिए कितना टैरिफ देना होगा।' कनाडा की संसद में डिजिटल सर्विसेज टैक्स एक्ट पिछले साल 20 जून, 2024 को पास हुआ था। हालांकि, यह टैक्स एक साल बाद 30 जून, 2025 से लागू होना था। लागू होने से कुछ घंटे पहले ही कनाडा सरकार ने इस पर यू टर्न ले लिया। ट्रम्प के टैरिफ को लेकर बातचीत से पीछे हटने के बाद कनाडा के PM मार्क कार्नी ने कहा था कि वह कनाडा की जनता के हित में अमेरिका के साथ बातचीत जारी रखना चाहते हैं। वहीं, अमेरिका के ट्रेजरी सचिव यानी कि वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि उन्हें पहले से इस टैक्स के लगाए जाने की आशंका थी। हालांकि, अमेरिका और कनाडा के बीच टैरिफ को लेकर बातचीत चल रही थी, इसलिए उन्हें उम्मीद थी कि कार्नी प्रशासन इसे लागू नहीं करेगा।

बयान

क्या होता है डिजिटल सर्विस टैक्स?

डिजिटल सर्विसेज टैक्स वह टैक्स होता है, जो ऑनलाइन सर्विस देने वाली कंपनियों से वसूला जाता है। बड़ी विदेशी और घरेलू कंपनियों को, जो कनाडा में ऑनलाइन यूजर्स से पैसा कमा रही हैं, उसे आय पर 3% टैक्स देना होगा। यह कानून 2022 से पुराने बिलों पर भी लगना था, यानी कंपनियों को पिछले कई सालों के टैक्स का पैसा देना होता। यह टैक्स ऑनलाइन मार्केटप्लेस, सोशल मीडिया, ऑनलाइन विज्ञापन और यूजर डेटा बेचने से हुई कमाई पर लागू होने वाला था। यह टैक्स उन कंपनियों पर लागू होता, जिनकी सलाना कमाई 800 बिलियन डॉलर से ज्यादा है। इससे खासकर अमेरिकी टेक कंपनियां जैसे मेटा, गूगल, एपल, अमेजन और माइक्रोसॉफ्ट ज्यादा प्रभावित होतीं। कारोबारियों का अनुमान है कि इस टैक्स से अमेरिकी कंपनियों को हर साल दो अरब डॉलर से ज्यादा का नुकसान होगा। इसके साथ ही अमेरिका में 3,000 नौकरियां भी जा सकती हैं।

स्पेन में हीटवेव से 60 साल का रिकॉर्ड टूटा तापमान 46 डिग्री पहुंचा

पुर्तगाल, इटली और क्रोएशिया में रेड अलर्ट

पेरिस/रोम ● एजेंसी

यूरोप के कई देश भीषण हीटवेव की चपेट में हैं। स्पेन में सबसे ज्यादा गर्मी है, जहां के ज्यादातर इलाकों में रविवार को तापमान 46 डिग्री दर्ज किया गया, जो देश का अब तक का सबसे गर्म दिन रहा। इससे पहले स्पेन के सेविले में आखिरी बार जून, 1965 में 45.2 डिग्री तापमान दर्ज किया गया था। स्पेन की वेदर एजेंसी के मुताबिक, एल ग्रैनाडो शहर में शनिवार को 46 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। स्पेन के साथ ही फ्रांस, ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, बोस्निया, हर्जेगोविना, हंगरी, सर्बिया, स्लोवेनिया और स्विट्जरलैंड में हीटवेव जारी रहने की आशंका है। पुर्तगाल के मोरा में रविवार को साल का अब तक का सबसे ज्यादा 46.6 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। वहीं, इटली और क्रोएशिया में हीटवेव का रेड अलर्ट है। वहीं, पहली बार फ्रांस के 88% हिस्से में 'ऑरेंज' हीट अलर्ट जारी किया गया है।

रोम ने स्विमिंग पूल में फ्री सर्विस की पेशकश की – बार्सिलोना में, एक महिला सफाईकर्मी की गर्मी से मौत हो गई। इटली में बुजुर्गों, कैंसर रोगियों और बेघर लोगों में हीटस्ट्रोक के मामले बढ़ गए हैं। रोम ने 70 साल से ज्यादा उम्र के लोगों के लिए शहर के स्विमिंग पूल में फ्री सर्विस का ऐलान किया है। पश्चिमी बाल्कन के देशों में भी तापमान 40 डिग्री से ज्यादा हो गया है। सर्बिया ने 19वीं सदी में तापमान रिकॉर्ड करना शुरू करने के बाद से अब तक का सबसे ज्यादा तापमान दर्ज किया। जिससे आम जनता परेशान हो गई।

प्रदर्शनकारियों ने राजधानी बेलग्रेड और अन्य शहरों में सड़कें जाम कर दीं

सर्बिया में राष्ट्रपति के इस्तीफे को लेकर प्रदर्शन

सर्बिया ● एजेंसी

राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिक के इस्तीफे और तुरंत चुनावों की मांग को लेकर कई शहरों में प्रदर्शन ने एक बार फिर से जोर पकड़ लिया है। रविवार रात से सोमवार सुबह तक हजारों प्रदर्शनकारियों ने राजधानी बेलग्रेड और अन्य शहरों में सड़कें जाम कर दीं। प्रदर्शनकारियों ने बेलग्रेड में कई जगहों पर लोहे की बाड़ और कचरे के कंटेनर से सड़कों को ब्लॉक कर दिया। सावा नदी पर बने पुल पर भी गाड़ियों की आवाजाही रोक दी गई। नोवी सैड में प्रदर्शनकारियों ने सत्तारूढ़ पोपुलिस्ट सर्बियाई प्रोग्रेसिव पार्टी के ऑफिस पर अंडे फेंके। इससे पहले शनिवार रात, बेलग्रेड में लगभग 1 लाख 40 हजार लोग सड़कों पर उतरे थे। प्रदर्शन के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों में झड़प हुई। पुलिस ने आंसू गैस के गोले और साउंड बम दागे और दर्जनों लोगों को गिरफ्तार कर लिया। अब इनकी रिहाई की मांग हो रही है। सर्बिया में 1 नवंबर, 2024 को नोवी सैड रेलवे स्टेशन का शेड गिरने से 16 लोगों की मौत हो गई थी। दिसंबर में सरकार के खिलाफ लोगों का विरोध-प्रदर्शन शुरू हुआ था, जो पिछले 7 महीने से जारी है। लोगों का आरोप है कि निर्माण परियोजनाओं में भ्रष्टाचार की वजह से हादसा हुआ।

प्रदर्शन

तत्कालीन पीएम-परिवहन मंत्री ने दिया था इस्तीफा

हादसे के कारण 28 जनवरी, 2025 को तत्कालीन प्रधानमंत्री मिलोस वुसेविक को इस्तीफा देना पड़ा था। इससे पहले पूर्व परिवहन मंत्री गोरन वेसिक ने भी इस्तीफा दे दिया था। नोवी सैड की घटना में 13 लोगों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे। इनमें गोरन वेसिक का नाम भी था। पूर्व प्रधानमंत्री वुसेविक ने कहा था कि वे नहीं चाहते कि देश में तनाव और ज्यादा बढ़े इसलिए वे हालात को शांत करने के लिए अपना पद छोड़ रहे हैं। वुसेविक मई 2024 से प्रधानमंत्री के पद पर थे। इससे पहले वे उपप्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री के पद पर रह चुके हैं। वुसेविक 2012 से 2020 तक नोवी सैड के मेयर थे। इसी दौरान रेलवे स्टेशन पर भवन से जुड़ा काम हुआ था। इसके कारण वुसेविक पर PM पद छोड़ने का भारी दबाव था। हालांकि सर्बिया में असली ताकत राष्ट्रपति के पास होती है। 2027 में खत्म होगा राष्ट्रपति वुसिक का दूसरा कार्यकाल अलेक्जेंडर वुसिक 2017 से सर्बिया के राष्ट्रपति हैं। उनका दूसरा कार्यकाल 2027 में खत्म हो रहा है। तभी संसदीय चुनाव भी होने हैं। हालांकि, प्रदर्शनकारी जल्द से जल्द चुनाव करवाने की मांग पर अड़े हैं। राष्ट्रपति चुनाव करवाने से लगातार इनकार कर रहे हैं।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक - दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)